दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-179 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 23 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

(09.08.1925 : नवजीवन में प्रकाशित लेख 'अहिंसा की समस्या' का अंश सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 53)

अगस्त में मानसून सामान्य से कम, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे जैसे हालात, 17 सितंबर से पहले विदाई के संकेत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में इस समय मानसून का मिजाज विरोधाभासी बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन और अल नीनो के प्रभाव के चलते मौसम का पूर्वानुमान लगाना मौसम विशेषज्ञों के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। एक ओर कई राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, वहीं दूसरी ओर कई इलाके अब भी पर्याप्त बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर इसका प्रमुख उदाहरण है। मौसम बुलेटिन में रोजाना भारी बारिश की संभावना जताई जाती है, लेकिन कई बार दिन के अंत में बारिश उम्मीद के अनुरूप नहीं होती। इसके चलते तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहता है और लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगस्त में देश में मानसूनी बारिश सामान्य से कम रही है और फिलहाल बारिश में करीब 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। शुरुआत में लगातार

बारिश के कारण इस कमी के पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन धीरे-धीरे बारिश की गतिविधियां कमजोर पड़ने से स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मौसम विज्ञान विभाग के उपाध्यक्ष महेश पलावत के अनुसार, कम दबाव वाली मौसम प्रणालियों की स्थिति को देखते हुए दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य समय से करीब 15 प्रतिशत पहले समाप्त होने की संभावना बन रही है। उन्होंने कहा कि पहले उम्मीद थी कि सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति अल नीनो के प्रभाव को कम करके मानसून को मजबूती देगी, लेकिन यह स्थिति दोबारा तटस्थ अवस्था में लौट गई है। ऐसे में अगस्त के शेष दिनों और सितंबर में व्यापक स्तर पर अच्छी बारिश की संभावना कम दिखाई दे रही है।राजस्थान और गुजरात के अलावा प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहने का अनुमान है। शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाएं बंगाल की खाड़ी से आने वाली मौसम प्रणालियों को इन क्षेत्रों में मजबूत होने से रोक रही हैं। यदि यह स्थिति लंबे समय तक जारी रहती है तो कुछ क्षेत्रों में बारिश की कमी सूखे जैसे हालात पैदा कर सकती है।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से प्रयाग मंदिर पानी में डूब गया है।

जंतर मंतर पर आरक्षण हटाओ आंदोलन; पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुक्रवार को 'आरक्षण हटाओ आंदोलन' के तहत प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में भगवा झंडे और विभिन्न मांगों से जुड़ी तख्तियां थीं। प्रदर्शनकारियों ने जातिगत आरक्षण व्यवस्था में बदलाव करते हुए आर्थिक स्थिति के आधार पर सरकारी सहायता और आरक्षण देने की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शिक्षा, कोचिंग, छात्रवृत्ति और अन्य सरकारी सहायता का लाभ जाति के बजाय आर्थिक स्थिति के आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने मौजूदा जातिगत आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की मांग करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायता मिलनी चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को निरस्त करने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था में 'क्रीमी लेयर' का मानदंड लागू करने तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित नीतियों में बदलाव की मांग की।

बरगी डैम के पानी से सेठानी घाट पर 24 घंटे में 3.4 फीट बढ़ा नर्मदा का जलस्तर

लोगों से घाटों से दूर रहने की अपील

नर्मदापुरम, (ए.) । मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम के 13 गेट खोले जाने के बाद छोड़ा गया पानी शुकवार-शनिवार रात नर्मदापुरम पहुँच गया, जिससे मां नर्मदा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सेठानी घाट पर पिछले 24 घंटों के भीतर जलस्तर लगभग 3.4 फीट बढ़ गया है और नदी सामान्य स्तर से करीब 10 फीट ऊपर बह रही है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी कर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से नदी तथा घाटों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में जबलपुर स्थित बरगी डैम से छोड़ा गया पानी शुक्रवार-शनिवार रात पहुँच गया, जिसके बाद से मां नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पानी की

आवक बढ़ने के कारण प्रसिद्ध सेठानी घाट की सीढ़ियां जलमग्न हो गई हैं और पिछले 24 घंटे में नदी का जलस्तर 3.4 फीट तक बढ़ चुका है। फिलहाल सेठानी घाट पर नर्मदा नदी अपने सामान्य स्तर से करीब 10 फीट ऊपर बह रही है। डैम पॉइंट से मिली जानकारी के अनुसार, जलस्तर में हर घंटे लगभग 0.10 से 0.20 फीट की वृद्धि दर्ज की जा रही है। राहत की बात यह है कि नर्मदा का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से 23.8 फीट नीचे है। हालांकि, जलस्तर बढ़ने की रफ्तार को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और लोगों को घाटों के नजदीक न जाने की हिदायत दी जा रही है।

बरगी डैम के खोले गए 13 गेट

जबलपुर के बरगी डैम से लगभग तीन दिन पहले पानी छोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। शुरुआत में डैम के 9 गेट खोले गए थे, लेकिन पानी की आवक बढ़ने पर गेटों की संख्या बढ़ाकर 13 कर दी गई। इन गेटों से लगातार भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका सीधा असर अब नर्मदापुरम में देखने को मिल रहा है। बरगी डैम के अलावा, नर्मदापुरम के तवा डैम में भी जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। शनिवार सुबह तवा डैम का जलस्तर बढ़कर 1145 फीट पहुँच गया, जो एक दिन पहले तक 1144.30 फीट था। फिलहाल तवा डैम अपने फुल लेवल से करीब 21 फीट और गवर्निंग लेवल से लगभग 17 फीट नीचे है।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर एमपी अब सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य बन गया है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इकॉनामिक टाईम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2026 में हुए शामिल

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। हमारा मध्यप्रदेश आज देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला प्रदेश बन गया है। कभी मध्यप्रदेश पर बीमारू प्रदेश होने का टैग लगा दिया गया था। हमने इस टैग को पूरी तरह हटा दिया है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां तो थीं, पर हमने उन चुनौतियों को पहचान कर तरक्की के अवसरों में बदल दिया। आज मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। कृषि के मामले में तो हम पहले से आगे थे ही, अब औद्योगिक प्रगति में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमने भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराई। इसके अलावा प्रदेश के हर अंचल में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सफलतापूर्वक सम्पन्न कराकर निवेशकों का दिल जीता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश का अमृतकाल चल रहा है। हम सब राज्य मिलकर देश की प्रगति के लिए आगे आ रहे हैं। राष्ट्रीय नदी जोड़ो अभियान हो या सिंचाई की परियोजनाएं, हम अपने पड़ोसी राज्यों से मिलकर हर चुनौती, हर समस्या का सकारात्मक समाधान निकाल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली के एक निजी होटल में आयोजित दि इकॉनामिक टाईम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम - 2026 में मध्यप्रदेश सत्र को संबोधित कर रहे थे।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, ग्रामीणों ने हाईवे किया जाम

जयपुर, (आरएनएस)। जयपुर जिले में एक भयानक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपत्ति और उनकी दो बहुएं शामिल हैं। यह हादसा सरमथुरा-फलोदी मेगा हाईवे पर फागी से लगभग तीन किलोमीटर दूर माधोराजपुरा रोड पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब फागी के धामुनियों का मोहल्ला के रहने वाले सत्यनारायण कुम्हार सड़क के किनारे अपने खेत से काटी गई मूंग की फसल सुखा रहे थे। उनकी पत्नी और दो बहुएं भी उनकी मदद कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने उन चारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे सभी लगभग 20 फीट दूर जा गिरे। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय सत्यनारायण, पत्नी मनमौजी (55), बद्री की पत्नी अमृता (30) और सुरेश की पत्नी शिमला (25) की मौत मौके पर ही हो गई।

देश में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर, ई20 नीति की समीक्षा क्यों नहीं हो रही: खड़गे

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने त्योहारों से पहले चीनी की कीमत में ''बढ़ोतरी'' और देश में चीनी का भंडार कथित तौर पर कम होने को लेकर केंद्र सरकार पर शनिवार को निशाना साधा और सवाल किया कि ऐसी स्थिति में भी पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही। खड़गे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि देश में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है और 10 लाख टन चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने की नौबत आ गई है। उन्होंने सवाल किया, ''दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक भारत में आज चीनी का भंडार नौ साल के निचले

स्तर पर क्यों है? नौबत निर्यात रोकने और 10 लाख टन चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने तक कैसे पहुंच गई?''कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि तीन महीने में चीनी करीब 40 प्रतिशत महंगी हो गई है और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए कि त्योहारों से पहले जनता पर पड़ने वाली इस महंगाई की मार के लिए कौन जिम्मेदार है। खड़गे ने देश में चीनी की कथित कमी के बीच एथेनॉल नीति पर भी सवाल उठाया.उन्होंने पूछा कि जब सरकार विदेश से चीनी मंगा रही है, तो पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) के लिए गन्ने और अनाज को इस्तेमाल करने की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही. उन्होंने सवाल किया, ''ये कैसा 'आत्मनिर्भर भारत' है?''

नौकरी का झांसा देकर लुधियाना में निकाली युवक की किडनी

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में नौकरी का लालच देकर भोले-भाले युवाओं को अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय मानव अंग तस्करी गिरोह के जाल में फंसाने का एक बेहद चौंकाने वाला और खौफनाक मामला सामने आया है। साल्टलेक के सुकांतनगर इलाके के रहने वाले एक युवक को पंजाब के लुधियाना ले जाकर धोखे से उसकी किडनी निकाल ली गई। मामला तब सामने आया जब पीड़ित युवक की तबीयत कोलकाता लौटने के बाद बिगड़ने लगी और मेडिकल जांच में उसकी बाईं किडनी गायब पाई गई। पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विधाननगर दक्षिण थाना पुलिस ने मुख्य मध्यस्थ एजेंट को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, इस पूरे गिरोह में स्थानीय पुलिस के एक सिविक वॉलंटियर की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर को मिली तीसरी वंदे भारत ट्रेन, उधमपुर होगा नया स्टॉपेज

-चिनाब पुल से होकर गुजरेगी ट्रेन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। रेल मंत्रालय ने जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस मार्ग पर पहले से ही दो जोड़ी वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं। नई ट्रेन को 26407 और 26408 संख्या दी गई है। खास बात यह है कि नई वंदे भारत का ठहराव उधमपुर में भी होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग और उनके अनुरोध के बाद रेल मंत्रालय ने जम्मू और श्रीनगर के बीच चलने वाली तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस में उधमपुर को ठहराव देने की मंजूरी दी है।जितेंद्र सिंह ने सामाजिक माध्यम पर साझा संदेश में कहा कि उधमपुर के लिए यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने तीसरी वंदे भारत ट्रेन में उधमपुर को ठहराव देने की मंजूरी दी है।उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशीलता की सराहना की और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को त्वरित निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। जितेंद्र सिंह ने रेल मंत्री का पत्र भी साझा किया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पत्र के अनुसार, नई वंदे भारत एक्सप्रेस को 26407 और 26408 संख्या दी गई है।

सहकारिता के ढीले रवैये से सहकारी संस्थाएं पिछड़ी

सहकारी बैंक और कृषि उपज मंडी समिति ठीक से नहीं हो रही संचालित

नर्मदापुरम (निप्र)। कहने को तो यह नारा दिया गया था कि बिन सहकार नहीं उद्धार लेकिन वह सिर्फ नारा ही रह गया। सहकारिता के ढीले रवैये के कारण जिला सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक, के साथ साथ कृषि उपज मंडी समिति की माली हालत खराब होती गई। सहकारिता के क्षेत्र में स्थापित बैंक कारखाने और उद्योग सही तरीके से संचालित नहीं हो रहे हैं। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जो मुख्य कारण हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप

सहकारी व्यवस्था पूरी तरह से राजनीतिक शिकंजे में फंसी होना। चुनाव से लेकर नियुक्तियों तक कर्ज मंजूरी से लेकर ठेकों तक सब कुछ नेताओं की मर्जी से होना। विशेषज्ञों को किनारे करना। जानकारों को नजरअंदाज करते हुए पार्टी के अनुयायियों को डायरेक्टर और चेयरमैन बनाना। संस्था के हित से ज्यादा पार्टी का हित।

गड़बडी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई न होना

सहकारी संस्थाओं में जो जनता के धन को लूटते रहे मनमर्जी से कार्य करते रहे उनको छूट मिलती रहना। सहाकारी समिति में बैठे तथाकथित प्रबंधकों के द्वारा मनमर्जी से बिल बाउचर लगाकर अपना और लग्गे भग्गों की जेब भरना।

भूमि विकास बैंक हो गई गायब

एक समय था जब सहकारिता के क्षेत्र में भूमि विकास बैंक की अनेक शाखाएं कार्य कर रही थी। बड़ा बजट आता था। बैंकों में भी करोड़ों का कारोबार होता था। किसानों की माली हालत सुधारने के लिए टैक्टर तथा अन्य सामग्री का लोन देना फिर उस लोन की बसूली नहीं करना आदि ऐसे कारण हैं जिनके कारण सहकारी बैंक द्वारा दी गई करोड़ रूपये की राशि की बसूली ही नहीं हुई और बैंक डूब कर गायब हो गई। किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा उसके कर्मचारी जिला सहकारी बैंक में मर्ज कर लिए। सहकारी बैंक जैसे तैसे चल रही हैं।

मंडी समिति कहां है ?

कृषि उपज मंडी समिति कहा जाता है लेकिन समिति कहां है पूरे मप्र में किसी भी मंडी में कोई समिति नहीं है। अधिकारी ही समिति के प्रमुख बने हुए हैं। क्योंकि समिति में जो होते थे वे उतने सही तरीके से समिति को नहीं चला पाए इस कारण अधिकारियों से चलाया जा रहा है।

दैनिक क्षितिज किरण
आवश्यकता है
नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में
संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की
योग्यता
स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर
समाज से जुड़े, पहचान बनाएं
जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ
संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770
संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

किसान अपनी फार्मर आईडी जरूर बनवाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली से शिवपुरी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से की सहभागिता

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। मुख्यमंत्री ने सभी किसानों से अपनी फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वर्च्युअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूंगफली का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ है। हम सब मिलकर शिवपुरी जिले को कृषि का सिरमौर बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में उनको मुनाफा मिले। उन्होंने कहा कि किसानों को पहले ऋण की राशि 31 मार्च तक जमा करनी होती थी, अब उससे निजात मिलेगी। किसान अब ऋण की राशि 1 वर्ष में कभी भी चुका सकता है। इसके लिए अब 31 मार्च की समय-सीमा समाप्त कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब किसान खेती-किसानी के अलावा अन्य माध्यमों से भी मुनाफा कमा रहे हैं। होम-स्टे की अवधारणा भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इससे किसानों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां माधव टाइगर रिजर्व भी है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। हम किसानों की समृद्धि के लिए लगातार काम कर रहे हैं। अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जायेगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा। इससे सिंचाई के लिए किसानों को रातभर जागने की परेशानी अब खत्म हो जाएंगी।

भोपाल में शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी,बच्चों संग पार्क में गुजारी रात

भोपाल (ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में वर्ग-2 माध्यमिक और वर्ग-3 प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 में पद्वृद्धि की मांग को लेकर शुरू हुआ अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे अभ्यर्थियों में कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ आंदोलन में शामिल हैं। कुछ अभ्यर्थियों ने शुक्रवार रात पार्क में ही गुजारी। सीमित सुविधाओं और मच्छरों के बीच भी अभ्यर्थी अपनी मांग पर डटे हुए हैं। आंदोलन में शामिल अभ्यर्थी भर्ती में रिक्त पदों को शामिल कर पद बढ़ाने और बढ़े हुए पदों के आधार पर दूसरी काउंसलिंग कराने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से तैयारी करने के बावजूद पर्याप्त पद नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में योग्य अभ्यर्थी चयन से वंचित रह गए हैं। इंदौर की शिक्षक अभ्यर्थी दीप्ति सिंह ठाकुर अपनी 5 और 8 साल की बेटियों के साथ नीलम पार्क पहुंची हैं। उनका कहना है कि पदवृद्धि की मांग को लेकर यह उनका 13वां आंदोलन है। उन्होंने शुक्रवार रात अपनी दोनों बेटियों के साथ धरना स्थल पर ही रात गुजारी। दीप्ति के मुताबिक धरना स्थल पर मच्छरों के अलावा पानी और वॉशरूम जैसी सुविधाओं की भी परेशानी है। इसके बावजूद वर्षों की तैयारी के बाद शिक्षक भर्ती में अपने अधिकार की मांग को लेकर वह आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगी।अभ्यर्थी सरोज कुशवाहा अपने एक साल के बेटे माधव को लेकर धरने में शामिल हुई हैं, जबकि अपने बड़े बच्चे को उन्होंने रिश्तेदार के यहां छोड़ा है। सरोज का कहना है कि उन्होंने करीब चार साल शिक्षक भर्ती की तैयारी में लगाए हैं। 99 परसेंटाइल हासिल करने के बावजूद उनका चयन नहीं हो सका। उनका कहना है कि यदि पर्याप्त पद होते तो चयन की संभावना बन सकती थी। अब उनकी मांग है कि सरकार रिक्त पदों को भर्ती में शामिल कर पद बढ़ाए और दूसरी काउंसलिंग कराए। अभ्यर्थी नरेंद्र राजपूत ने 21 अगस्त रात 12 बजे से भूख हड़ताल शुरू की है। शनिवार शाम तक उनके मुताबिक करीब 18 घंटे हो चुके थे। उन्होंने स्वास्थ्य जांच के लिए डॉक्टर उपलब्ध कराने की मांग भी की है। नरेंद्र का कहना है कि अभ्यर्थी आंदोलन को उग्र नहीं करना चाहते। वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग सरकार तक पहुंचा रहे हैं और पदवृद्धि पर निर्णय होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है।

भोपाल निगम में सीनियर-जूनियर अधिकारी भिड़े

AHO ने जूता दिखाया; बोले- मैं तो मंत्री की भी नहीं सुनता, इस्तीफा साथ रखता हूं

भोपाल (ए)। भोपाल के लिंक रोड नंबर-2 स्थित नगर निगम मुख्यालय परिसर में शनिवार को सीनियर और जूनियर अधिकारी भिड़ गए। नरेला विधानसभा के HO (स्वास्थ्य अधिकारी) सुमंदर शर्मा और जोन-19 के AHO (सहायक स्वास्थ्य अधिकारी) बलवीर मलिक के बीच काम को लेकर तीखी नोकझोंक हुई।विवाद इतना बढ़ गया कि AHO मलिक ने जूता निकालने की कोशिश की, लेकिन दूसरे AHO ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद मलिक सरकारी जीप के पास पहुंचे। उसमें रखा इस्तीफा दिखाते हुए कहा कि वह इस्तीफा हमेशा साथ रखते हैं। मैं तो मंत्री की भी नहीं सुनता।

दरोगाओं की बैठक के बाद शुरू हुआ विवाद

शनिवार को अपर आयुक्त अंजू कुमार ने नगर निगम के दरोगाओं की बैठक ली थी। बैठक के बाद निगम मुख्यालय के बाहर सुमंदर शर्मा और बलवीर मलिक के बीच बहस शुरू हो गई। दोनों एक ही जोन में पदस्थ हैं। सुमंदर शर्मा वरिष्ठ और बलवीर मलिक जूनियर अधिकारी हैं।

विवाद से जुड़ी तस्वीरें देखिए

विवाद के दौरान AHO बलवीर मलिक ने कहा कि 'मैं गलत होने पर मंत्री की भी नहीं सुनता।' उन्होंने अपनी गाड़ी में रखा इस्तीफा निकालकर दिखाया। मलिक ने कहा कि वह इस्तीफा अपने साथ रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जबरन जलील किया जा रहा है। मलिक ने कहा कि बैठक में उनके साथ बदतमीजी की गई। उनका कहना था कि वह पिछले कुछ समय से ऐसी बातें करीब दस बार सुन चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह 30 साल से नौकरी कर रहे हैं और जोनल अधिकारी रह चुके हैं। इसी वजह से गुस्से में उन्होंने यह बात कही।

भोपाल में सो रहे बुजुर्ग को चाकू दिखाकर लूटा, हथियारों से लैस बदमाश मोबाइल और पैसे छीनकर फरार हुए

भोपाल (ए)। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में दुकान के पास बेंच पर सो रहे बुजुर्ग से हथियार के दम पर लूट का मामला सामने आया है। दो बदमाशों ने बुजुर्ग को घेरकर मारपीट की और चाकू दिखाकर उनके पास रखे पैसे और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। पूरी वारदात CCTV कैमरे में कैद हुई है। घटना 16 अगस्त की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। CCTV फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बुजुर्ग दुकान के पास बेंच पर सो रहे थे। इसी दौरान दो बदमाश वहां पहुंचे। एक आरोपी के हाथ में चाकू था, जबकि दूसरे ने बुजुर्ग को धमकाते हुए उनके पास मौजूद सामान निकालने को कहा। बुजुर्ग दोनों से उन्हें छोड़ने की गुहार लगाते रहे और कहते रहे कि उनके पास पैसे नहीं हैं। इसके बावजूद बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और जेब से पैसे निकाल लिए। इसके बाद मोबाइल फोन भी छीन लिया और दोनों मौके से फरार हो गए। वारदात के दौरान बुजुर्ग लगातार बदमाशों से रहम की अपील करते नजर आए।

पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद अभी तक बुजुर्ग ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर बुजुर्ग की पहचान करने और उन्हें थाने बुलाकर बयान दर्ज कराने का प्रयास कर रही है। बयान के बाद मामले में FIR और आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान और तलाश भी की जा रही है

भोपाल के दीपशिखा हॉस्पिटल में आग से मची अफरा-तफरी

इमरजेंसी वार्ड में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, 21 मरीज सुरक्षित रेस्क्यू

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बागसेवनिया थाना क्षेत्र के विद्यानगर स्थित दीपशिखा हॉस्पिटल में शुक्रवार रात इमरजेंसी वार्ड में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी, जबकि धुआं अस्पताल के ऊपरी हिस्सों तक फैल गया। सूचना मिलते ही बागसेवनिया पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और पास के सहारा अस्पताल में शिफ्ट कराया गया। घटना में किसी मरीज, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।पुलिस के मुताबिक, अस्पताल के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने परिसर से धुआं निकलते देखा। उन्होंने तत्काल अस्पताल स्टाफ को सूचना दी। इसके बाद बागसेवनिया थाने से एएसआई वीर मणि पांडे पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। घटना के समय अस्पताल में भर्ती 21 मरीजों की सुरक्षा पुलिस और अस्पताल स्टाफ के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी। इनमें आइसीयू के 5-6 मरीजों के साथ सिजेरियन डिलीवरी के बाद भर्ती महिलाएं भी शामिल थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सबसे पहले मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों से निकाले मरीज

आग ग्राउंड फ्लोर के इमरजेंसी कक्ष में लगी थी और धुआं अस्पताल के ऊपरी हिस्सों तक पहुंच गया था। बिजली सप्लाई बंद होने के कारण लिफ्ट का इस्तेमाल करना संभव नहीं था। ऐसे में पुलिस और अस्पताल स्टाफ ने सीढ़ियों के रास्ते मरीजों को बाहर निकाला। करीब 15 पुलिसकर्मियों ने लगातार रेस्क्यू में जुटकर एक-एक कर सभी मरीजों को बाहर निकाला। सीढ़ियों वाले हिस्से में पर्याप्त जगह और खिड़कियां होने के कारण धुआं ऊपर की ओर निकलता रहा। इससे रेस्क्यू टीम को मरीजों को बाहर निकालने में कुछ राहत मिली।

ICU के मरीजों और ऑपरेशन के बाद भर्ती महिलाओं को विशेष सावधानी से बाहर निकाला गया। इलेक्ट्रिकल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट की आशंकाप्रारंभिक पुलिस जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग ग्राउंड फ्लोर स्थित इमरजेंसी कक्ष में डॉक्टरों के बैठने की जगह के पास लगे इलेक्ट्रिकल बोर्ड में लगी। बोर्ड में कई स्विच लगे थे। आशंका है कि बोर्ड के अंदर किसी वायर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़की। बोर्ड के पास प्लाई की अलमारियां और अन्य सामान रखे होने के कारण आग ने इन्हें भी चपेट में ले लिया।फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10:35 बजे आग की सूचना मिली। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब 11 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग इमरजेंसी वार्ड तक सीमित रही, लेकिन धुआं अस्पताल के अन्य हिस्सों में फैल गया था। इसके बाद अस्पताल को पूरी तरह खाली करा लिया गया और बिजली सप्लाई बंद कर दी गई।

25 अगस्त से LHB कोच के साथ चलेगी भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस 25 अगस्त से लागू होगा बदलाव, रेलवे ने जारी की नई कोच संरचना

भोपाल (ए)। भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस में सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने कोच संरचना में बदलाव किया है। ट्रेन नंबर 12197/12198 भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस का एक रेक 25 अगस्त से आईसीएफ की जगह एलएचबी कोच से संचालित किया जाएगा। इससे यात्रियों को आधुनिक और अधिक सुविधाजनक कोचों में

सफर का विकल्प मिलेगा।

वर्तमान में इस ट्रेन के तीन रेक हैं। इनमें से एक रेक को एलएचबी में बदला जा रहा है, जबकि बाकी दो रेक फिलहाल 21 आईसीएफ कोच की मौजूदा संरचना के साथ ही चलते रहेंगे। एलएचबी रेक में कोचों की संख्या घटकर 18 हो जाएगी।रेलवे के अनुसार नए एलएचबी रेक में 12 सामान्य श्रेणी, 3 स्लीपर, 1 थर्ड एसी, 1 एलएसआरडी और 1 जनरेटर कार शामिल होगी। इस तरह एक रेक में कुल 18 कोच होंगे। एलएचबी कोचों को आईसीएफ कोच की तुलना में आधुनिक डिजाइन और बेहतर यात्री सुविधाओं के लिए जाना जाता है।रेलवे का कहना है कि रेक में बदलाव का उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुविधाजनक एवं आधुनिक रेल यात्रा उपलब्ध कराना है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की अद्यतन कोच संरचना और संचालन संबंधी जानकारी रेलवे के अधिकृत यात्री सूचना माध्यमों से जरूर जांच लें।

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी : उदयप्रताप सिंह

विज्ञान में अदिति, गणित में अंबिका और इतिहास में सायनी रहीं अव्वल

भोपाल (ए)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के साईंखेड़ा सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया। विज्ञान मॉडल में नर्मदापुरम संभाग की अदिति लौवंशी, गणित में जबलपुर संभाग की अंबिका साहू, इतिहास में ग्वालियर की सायनी जाटव, पर्यावरण में सागर की दिव्या पटेल, भूगोल में उज्जैन के अर्शल्म मंसूरी और राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंत्री श्री सिंह सहित अतिथियों द्वारा सेमिनार, पर्यावरण गीत, लघुनाटिका एवं प्रश्न मंच विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही हालिया सचिव स्तर से प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाली शिक्षिका सुश्री आकांक्षा राजोरिया को भी सम्मानित किया गया।

इन विद्यार्थियों ने हासिल किए उत्कृष्ट स्थान

मॉडल विधा के विज्ञान विषय में नर्मदापुरम संभाग की अदिति लौवंशी प्रथम, ग्वालियर की लवली लोधी एवं जबलपुर के आर्यन वर्मा द्वितीय, जबकि रीवा के नंद जी तृतीय रहे। गणित में जबलपुर संभाग की अंबिका साहू प्रथम रहीं। जबलपुर के प्रफुल्ल मिश्रा, सागर की राज बाई एवं उज्जैन के करन भूरिया द्वितीय, जबकि ग्वालियर के समर बघेल तृतीय रहे। इतिहास में ग्वालियर की सायनी जाटव प्रथम, जबलपुर की आयुषी प्रजापति द्वितीय और नर्मदापुरम की कविता तृतीय रहीं।

पर्यावरण विषय में सागर संभाग की दिव्या पटेल प्रथम, नीरज प्रजापति एवं अरुणा अग्रवाल द्वितीय तथा जबलपुर की शिवानी रजक तृतीय रहीं। भूगोल में उज्जैन संभाग के अर्शल्म मंसूरी प्रथम, सागर की अंबिका पाठक द्वितीय और इंदौर के परवेश आर्य तृतीय रहे। राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर प्रथम, इंदौर की उर्वशी द्वितीय और भोपाल की पूजा यादव तृतीय रहीं।

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी

समापन समारोह को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं। विद्यार्थियों के चेहरों में उन्हें भारत का उज्जवल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़-लिखकर जीवन में उन्नति करने, देश सेवा में योगदान देने और स्वावलंबी बनकर रोजगार के नए अवसर सृजित करने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को इन मूल्यों के प्रति निरंतर प्रेरित करें, जिससे वे सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया मानक स्थापित कर रहे हैं। ड्रॉपआउट दर का शून्य होना और मेरिट में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन शिक्षा व्यवस्था में हो रहे सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है।

मॉडल्स का अवलोकन कर विद्यार्थियों से किया संवाद

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने विज्ञान एवं इतिहास विषयों के मॉडल देखे। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके मॉडल के संबंध में जानकारी ली तथा वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो संस्कृतियों सहित अनेक उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक मॉडल तैयार किए। इन मॉडलों को तैयार कराने में मार्गदर्शी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर राज्य शिक्षा केंद्र के समन्वय डॉ. विपिन वर्मा एवं डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आयोजन से जुड़ी जानकारी दी और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया तथा आभार नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति सचिन अग्रवाल ने व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित वाहन संचालन को लेकर पीटीआरआई में दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल (ए)। मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई), भोपाल में 20 एवं 21 अगस्त 2026 को सुरक्षित वाहन चालन कोर्स विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में निरीक्षक से आरक्षक चालक स्तर के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित वाहन चालन, दुर्घटना रोकथाम तथा सड़क सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं तथा दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाना, सुरक्षित वाहन चालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दुर्घटना पीड़ितों को समय पर शासकीय सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया से पुलिस कर्मियों को परिचित कराना रहा। प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ अवसर पर उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई टी.के. विद्यार्थी ने सड़क दुर्घटनाओं के विश्लेषण, दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान तथा उनकी रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने हिट एंड रन, पी.एम. राहत योजना, राहवीर योजना सहित दुर्घटना पीड़ितों के लिए उपलब्ध विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पुलिस की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

भोपाल में सीलिंग की कार्रवाई के विरोध- सड़क पर व्यापारी

अवधपुरी में प्रदर्शन, दुकानें बंद रखी; गुलमोहर कॉलोनी में रहवासियों ने टॉर्च रैली निकाली

भोपाल (ए)। भोपाल के आवासीय इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी और नगर निगम द्वारा सीलिंग के नोटिस देने की कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने शनिवार को अवधपुरी में प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर उन्होंने रैली निकाली। उनका कहना था कि रक्षाबंधन के मौके पर निगम सीलिंग की कार्रवाई कर रहा है, जो कि गलत है। इधर, शाम को गुलमोहर-त्रिलंगा में रहवासियों ने टॉर्च लाइट रैली निकाली।

अवधपुरी में सुबह 11.30 बजे से प्रदर्शन शुरू हुआ। इस दौरान व्यापारी हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर बाजार में निकले। इस दौरान उन्होंने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं। प्रदर्शन के दौरान महिलाएं और बच्चे भी शामिल रहे। एक दिन पहले शुक्रवार को बाग सेवनिया में भी व्यापारियों का प्रदर्शन हो चुका है। याचिका लगाने वाले अरेरा कॉलोनी निवासी विवेक त्रिपाठी ने बताया कि 1 अगस्त को नगर निगम ने कार्रवाई का दावा किया था। कई व्यावसायिक संस्थानों ने स्वयं अपने प्रतिष्ठानों पर यह सूचना लगाई थी कि वे निगम के निर्देश पर बंद हो गए हैं, लेकिन अब स्थिति यह है कि उन्हीं स्थानों पर 'TO-LET' के बोर्ड दिखाई दे रहे हैं।

यहां नए किराएदार तलाशे जा रहे हैं। इससे साफ है कि कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित रही और अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर वास्तविक रोक नहीं लग सकी।रहवासियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 मई 2026 को आवासीय परिसरों में किए जा रहे गैरकानूनी निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कर एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर निगम ने बड़ी संख्या में अवैध निर्माण चिन्हित करने और कार्रवाई का दावा किया। रहवासियों का सवाल है कि जब अवैध निर्माण चिन्हित हो चुके हैं तो फिर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? रहवासियों का कहना है कि न्यायालय के निर्देशों की समय सीमा और लगातार दिए जा रहे अवसरों के बावजूद यदि अधिकारी केवल नोटिस, सर्वे और कागजी कार्रवाई में उलझे रहेंगे तो इसका सीधा लाभ अवैध निर्माण संचालकों और भूमाफियाओं को मिलेगा। नोटिस का खेल बंद करो, अवैध निर्माण सील करो अब रहवासियों की प्रमुख मांग बन चुकी है। रहवासियों ने बताया, आवासीय भूखंडों पर बने बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने न केवल रहवासियों की शांति और सुरक्षा प्रभावित की है, बल्कि पार्किंग, यातायात, प्रदूषण और सार्वजनिक सुविधाओं पर भी भारी दबाव पैदा किया है। बावजूद यदि नगर निगम प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय केवल नोटिस जारी करता रहेगा तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सतना में लगातार बारिश, नागोद में उफनते नाले में बहे 3 बाइक सवार, दो सुरक्षित, एक की मौत

सतना (ए)। मध्यप्रदेश के कई इलाकों में बारिश के चलते हालात तनावपूर्ण बन गए हैं। रीवा, सतना सहित कई जिलों में लगातार 48 घंटे से जारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और शहर से लेकर गांव तक हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। लगातार जारी बारिश के चलते लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट चुका है। ऐसे में लोगों से नदी, नाले और रपटों से दूर रहने की अपील की जा रही है। सतना के नागौद मे उफनते ललचहा इटमा नाले में तीन बाइक सवार बह गए, जिनमें से दो को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया तो वहीं एक की डेड बॉडी बरामद हुई है।

नागौद में उफनते नाले में बहे बाइक सवार

नागौद क्षेत्र के ललचहा इटमा नाले में बीती रात एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग बह गए। इनमें से बालेंद्र सिंह सेमरी (गप्पू) और दीपू पांडेय अमसिल सुरक्षित मिल गए। तीसरे व्यक्ति की तलाश के लिए एसडीआरएफ,

स्थानीय पुलिस और ग्रामीण लगातार सर्च ऑपरेशन चलाती रही। जानकारी मुताबिक बालेंद्र वाइक से अपने गांव सेमरी जा रहे थे। रास्ते में दीपू ने लिफ्ट मांगी उनके साथ एक व्यक्ति था। जैसे ही बाइक नाले के ऊपर पहुंची, तभी अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई तीनों लोग तैरने लगे। जैसे-तैसे दो युवक बाहर निकल आए और अपने घर चले गए, ज बकि तीसरे की तलाश जारी रही और सुबह उसकी डेड बॉडी मिली, जिसकी पहचान लवकुश के तौर पर हुई है।

पन्ना में भी बिगड़े हालात

3 दिन से हो रही लगातार बारिश से पन्ना में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। लगातार बारिश के चलते नदी नलों में पानी ही पानी है, मगर फिर भी लोगों की लापरवाही देखने को मिली। भारी बारिश के बाद भी एक डंफर चालक ने तेज बहाव के बीच रुन्झ नदी के शहपुरा पुल में डंफर उतार दिया, जिससे डंफर पानी के तेज बहाव में बह गया। डंफर चालक नदी के पुल के ऊपर से बहते पानी को पार कर रहा था और इसी दौरान डंफर चालक, डंफर के साथ बह गया और अब तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है।

तलाश में जुटी पुलिस

हादसे की जानकारी मिलने के बाद धरमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचा और डंफर चालक की तलाश शुरू की। लेकिन, अब तक ड्राइवर का कुछ पता नहीं चल सका है। रीवा में भी बारिश का प्रकोप देखने को मिला।

भारतीय रेलवे ने जेएनपीटी मुंबई से पहली डबल-स्टैक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन संचालित की

जबलपुर(ए.)। भारतीय रेलवे ने 21 अगस्त 2026 को एक महत्वपूर्ण परिचालन उपलब्धि हासिल करते हुए जेएनपीटी, मुंबई से वडोदरा मंडल के वर्नामा स्थित CONCOR के (जीसीटी) GCT टर्मिनल के लिए पहली डबल-स्टैक लॉन्ग-हॉल कंटेनर ट्रेन सफलतापूर्वक रवाना की। इस ट्रेन में कुल 360 TEUs कंटेनर परिवहन किए गए।

ट्रेन ने लगभग 422 किलोमीटर की दूरी तय की। कंटेनर लोड 21 अगस्त 2026 को 19:00 बजे जेएनपीटी से रवाना हुआ।

* इस लॉन्ग-हॉल ट्रेन में दो डबल-स्टैक रेक शामिल थे।

* लीडिंग रेक: जेएनपीटी-वडोदरा 7 लोड: 45+1 7 लोको: 60311 7 भार: 1,817 टन

* ट्रेलिंग रेक: जेएनपीटी-वडोदरा 7 लोड: 45+1 7 लोको- 24690 7 भार: 2,105 टन

दोनों रेकों ने मिलकर 360 TEUs कंटेनर का परिवहन किया। यह उपलब्धि एक ही लॉन्ग-हॉल मूवमेंट में बड़ी मात्रा में कंटेनरीकृत माल ढुलाई करने की भारतीय रेलवे की क्षमता को दर्शाती है।

भगवान गैबीनाथजी की शाही यात्रा 24 को

जबलपुर (आरएनएस)। ऐतिहासिक कलचुरी कालीन स्वयंभू सिद्धपीठ श्री गैबीनाथजी महादेव की शाही यात्रा 24 अगस्त को अपरान्ह 3 बजे धूमधाम से निकाली जाएगी। शाही यात्रा मेडिकल कॉलेज रोड, पुरवा स्थित गैबीनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर ब्राह्मण मोहल्ला, झंडा चौक, चुंगी चौकी, त्रिपुरी होते हुए वापस मंदिर परिसर में आएगी। यह जानकारी एक पत्रकार वार्ता में मंदिर के व्यवस्थापक अभय शंकर प्यासी एवं अजय अवस्थी ने दी।उन्होंने बताया कि 12 ज्योतिर्लिंगों में एक त्रंबकेश्वर

है, जिसका उपलिंग स्वयंभू शिवलिंग गैबीनाथजी हैं। भगवान गैबीनाथजी की उपासना यहां पर कलचुरी काल अर्थात नवमी शताब्दी से होती आ रही है। गाँड काल में अनेक राजाओं की यह उपासना स्थली रही है। गोंड शासक निजामशाह ने 1755 में यहां भच्य मंदिर का निर्माण कराया था। बताया कि शाही यात्रा का यह 15 वर्ष है। इस वर्ष भी यात्रा वीरेंद्रपुरी महाराज के आशीर्वाद से तथा पूज्य समर्थ दादा गुरु की प्रेरणा से निकाली जाएगी। शाही यात्रा में जगतगुरु श्री राघवदेवाचार्य, जगतगुरु बालगोविंद शास्त्री, दादा पगलानंद महाराज, तरुण चौबे महाराज, बृजेश महाराज, महंत द्वारकापुरी, महंत ताराचंद महाराज, आचार्य नरेंद्र गौतम के सानिध्य में प्रारंभ होगी।

बैतूल में दर्दनाक हादसा, खड़े ट्रक से टकराई कार, 3 की मौत और 6 घायल

बैतूल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार तड़के एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह घटना मुलताई के पारेगांव जंक्शन के पास हुई, जब नागपुर से सीहोर जा रही एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) मनोज हुरमाडे के अनुसार, यह हादसा शनिवार सुबह करीब 3 बजे हुआ। टक्कर के समय कार में नौ यात्री सवार थे। टक्कर लगने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग अलग-अलग तरह से घायल हो गए। घटनास्थल पर तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें भेजी गईं। घायलों को 108 एम्बुलेंस सेवा के जरिए मुलताई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उन्हें तुरंत इलाज मिला। CMHO हुरमडे ने पीड़ितों को दी गई मेडिकल मदद के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी छह घायलों का शुरुआती इलाज मुलताई के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में किया गया। इनमें से तीन मरीजों को बेहतर मेडिकल देखभाल की जरूरत थी, इसलिए उन्हें बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि, उनके परिवार वालों ने आगे के इलाज के लिए उन्हें नागपुर ले जाने का फैसला किया। शायद इसलिए क्योंकि नागपुर उनके घर के पास है या वे वहां की मेडिकल सुविधाओं को ज्यादा पसंद करते थे। आधिकारिक बयान के समय तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम चल रहा था। कानूनी और मेडिकल प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उनके शव अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारों को सौंप दिए जाएंगे।

उज्जैन में चला बुलडोजर, एक दर्जन से ज्यादा अवैध बिल्डिंग जमींदोज, महाकालेश्वर मंदिर के पास बेगम बाग में हुई कार्रवाई

उज्जैन (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास बेगम बाग क्षेत्र में एक दर्जन से ज्यादा अवैध बिल्डिंगों पर मोहन यादव सरकार की एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई देखने को मिली है। यह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है जो कि महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग पर है। यह प्रॉपर्टी उज्जैन विकास प्राधिकरण की है, जिसे 30 वर्ष की लीज पर आवासीय उपयोग के लिए दिया गया था। बावजूद इसके यहां धर्म विशेष के लोगों ने नियम विरुद्ध इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, जिसके चलते सरकार ने ये कार्रवाई की। लीज समाप्ति के बाद लीज का नवीनीकरण नहीं हो सका और जब उज्जैन विकास प्राधिकरण ने नोटिस दिए तो संबंधित लोग न्यायालय पहुंच गए। लोअर कोर्ट, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद अवैध अतिक्रमण पर अब यह कार्रवाई की जा रही है।

सुबह से शुरू हुई कार्रवाई

बेगम बाग इलाके में आज सुबह मोहन सरकार की बोलडोजर कार्रवाई शुरू हुई: आज सुबह 8 बजे कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें करीब 15 बिल्डिंगों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान पुलिस की भी तैनाती रही और किसी प्रकार का कोई विरोध प्रदर्शन देखने को नही मिला। दरअसल यहां पिछले एक वर्ष के भीतर इसी प्रकार 72 बिल्डिंग को जमीदोंज किया गया था तब जरूर विरोध हुआ था, मगर आज की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से हुई। जिस जगह बुलडोजर चले, ये इलाका महाकाल मंदिर पहुंच मार्ग पर ही है।

मुस्लिम बाहुल्य इलाके में चला बुलडोजर

बेगम बाग एक मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है, जिसके कारण इसे अति संवेदनशील क्षेत्र माना गया है। इसलिए यह रास्ता वाहनों और श्राद्धलुओं के लिए पूरी तरह बन्द कर दिया गया है। वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जा रहा है। दरअसल, पूरा मामला इस प्रकार है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1985 में बेगम बाग क्षेत्र में 48 भूखंड आवासीय तौर पर 30 साल की लीज पर दिए थे। भूखंड धारकों ने इन भूखंडों का उपयोग आवासीय तौर पर करने की बजाय पूरी तरह व्यावसायिक तौर पर कर लिया। जो कि नियम विरुद्ध था। इसके साथ ही वर्ष 2014-15 में लीज भी समाप्त हो गई। जिसे नवीनीकरण भी नहीं कराया गया।

कानूनी प्रक्रिया के तहत तोड़ी जाएंगी अन्य बिल्डिंग

भूखंडों को लेकर उज्जैन विकास प्राधिकरण ने लगातार नोटिस दिए। वर्ष 2023-24 में उज्जैन विकास प्राधिकरण ने भूखंड धारकों की लीज समाप्त कर दी । जिसको लेकर भूखंड धारक न्यायालय पहुंचे जहां उन्हें स्टे मिल गया। इन भूखंडों का अलग-अलग न्यायालय में मामला विचाराधीन रहा।

व्यापार समाचार

सोना इस हफ्ते 8 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.46 लाख के पार

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुएं क्रमश: 8 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम और 12 हजार रुपए प्रति किलो से अधिक महंगी हो गई हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 8,257 रुपए बढ़कर 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,47,128 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,20,465 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम था।इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 1,52,884 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 1,60,620 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।चांदी का दाम 12,788 रुपए बढ़कर 2,46,630 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपए प्रति किलो था।इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 21 अगस्त को शाम के सत्र में 2,46,630 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 19 अगस्त को सुबह के सत्र में 2,27,392 रुपए प्रति किलो देखा गया।आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 69 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह बॉन्ड यील्ड में गिरावट और बड़े स्तर पर सुरक्षित निवेश की मांग है। इससे दोनों कीमती धातुओं में खरीदारी को सहारा मिल रहा है।

विदेशी खजाने से लबालब भरेगी देश की तिजोरी, SBI रिपोर्ट में दावा; मजबूत होगा रुपया और घटेगी महंगाई

नई दिल्ली (ए)। भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे से देशवासियों के लिए एक बेहद राहत और उत्साह बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। दुनिया भर में चल रही आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत का खजाना विदेशी मुद्रा से भरने जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आने वाले समय में देश के पास विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी। इस सकारात्मक बदलाव से न केवल देश की आर्थिक सेहत मजबूत होगी, बल्कि लंबे समय में महंगाई पर लगाम कसने में भी बड़ी मदद मिलेगी, जिसका सीधा फायदा आम जनता की जेब तक पहुंचेगा।

50 अरब डॉलर की भारी बचत का अनुमान

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 (FY27) तक भारत का 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' (BoP) 50 अरब डॉलर के शानदार सरप्लस में रहने की उम्मीद है। सरप्लस का सीधा अर्थ यह है कि देश से जितना पैसा बाहर जा रहा है, उसके मुकाबले कहीं ज्यादा विदेशी मुद्रा भारत आ रही है। इस मजबूत स्थिति का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि देश का चालू खाता घाटा (CAD) जीडीपी के महज 1 प्रतिशत तक ही सीमित रह जाएगा, जो किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहतरीन संकेत है।

रिजर्व बैंक की स्कीम ने दिखाया जादुई असर

विदेशी मुद्रा भंडार में इस शानदार इजाफे के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की एक अहम रणनीति ने काम किया है। आरबीआई ने विदेशी

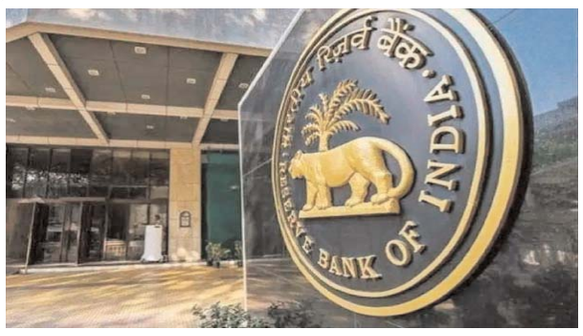

मुद्रा जुटाने के लिए एफसीएनआर (B) डिपॉजिट स्कीम पेश की थी, जो पूरी तरह से सफल साबित हुई है। इस योजना के जरिए अब तक देश में 57 अरब डॉलर की भारी-भरकम रकम आ चुकी है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि अगस्त के बचे हुए दिनों में 25 से 30 अरब डॉलर का निवेश और आ सकता है, जिससे यह आंकड़ा 85 अरब डॉलर के करीब पहुंच जाएगा। विदेशी निवेश के इस मजबूत प्रवाह से भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति काफी बेहतर हुई है।

विदेशी रकम के प्रबंधन का खर्च न के बराबर

अक्सर जब इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी पैसा देश में आता है, तो उसके प्रबंधन को लेकर कई तरह की चिंताएं पैदा होती हैं। बाजार में भी आरबीआई की स्वैप सुविधा की लागत को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन एसबीआई रिसर्च ने इन सभी चिंताओं को पूरी तरह खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि पांच साल की कुल हेजिंग लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर होगी। भारत के 700 अरब डॉलर के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार को देखते हुए यह खर्च मात्र 1.45 प्रतिशत है, जो इस बंपर खजाने के फायदों के आगे नाममात्र है।

रुपये को मिलेगी नई ताकत, सस्ते होंगे आयातित सामान

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जिंदगी पर भी पड़ेगा। डॉलर की आवक बढ़ने से भारतीय रुपये को भी जबरदस्त ताकत मिल रही है। इस विदेशी मुद्रा जमा योजना के बाद से रुपये में 0.1 प्रतिशत की मजबूती आ चुकी है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि अगस्त के अंत तक एक डॉलर के मुकाबले रुपया 95 से 95.5 के स्तर तक आ सकता है। रुपये के इस तरह स्थिर और मजबूत होने से विदेशों से आयात होने वाला सामान सस्ता हो जाएगा, जिससे परोक्ष रूप से महंगाई कम होगी और आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

कच्चे तेल के खतरे के बीच सोने ने बढ़ाया सुरक्षा कवच

दुनियाभर में कई तरह के वैश्विक जोखिम अभी भी बरकरार हैं। अमेरिका में 30 साल की ट्रेजरी यील्ड 5.3 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है, वहीं होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल के 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने का खतरा मंडरा रहा है। कच्चे तेल के महंगा होने का सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

बिना टॉवर और केबल के दौड़ेगा सुपरफास्ट इंटरनेट, भारत में 'स्टारलिंक' लॉन्च करने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क भारत के टेलीकॉम और इंटरनेट सेक्टर में बड़ा धमाका करने की पूरी तैयारी में हैं। मस्क अपनी बहुचर्चित सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' को भारत में उतारने के लिए लगातार जमीन तैयार कर रहे हैं। इसी बीच उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भारत के उन सुदूर और ग्रामीण इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का बड़ा विजन साझा किया है, जहां आज भी पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क या 4ल कनेक्टिविटी दम तोड़ देती है।

ग्रामीण भारत में कनेक्टिविटी की खाई पाटने पर नजर

एलन मस्क ने हाल ही में एक पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए साफ किया कि स्टारलिंक का मुख्य फोकस भारत के उन इलाकों तक पहुंचना है, जहां इंटरनेट की पहुंच बेहद सीमित है। उन्होंने जिस रिपोर्ट का हवाला दिया, उसमें बताया गया है कि देश के तमाम गांवों में अब भी स्थिर 4G नेटवर्क का अभाव है और शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट डेंसिटी काफी कम है। मस्क का मानना है कि स्टारलिंक सीधे अंतरिक्ष से सिग्नल भेजकर इन दुर्गम इलाकों के डिजिटल अंधेरे को हमेशा के लिए दूर कर सकती है।

बिना मोबाइल टॉवर के कैसे काम करती है यह जादुई तकनीक ?

स्टारलिंक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए जमीन पर किसी भी तरह के भारी-भरकम मोबाइल टॉवर या ऑप्टिकल फाइबर केबल के जाल की जरूरत नहीं होती। यह पूरी तरह से लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) सैटेलाइट्स पर आधारित इंटरनेट प्रणाली है। इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को केवल अपने घर या इमारत की छत पर एक छोटा सा डिश एंटीना (रिसीवर) लगाना होता है, जो सीधे अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स से सिग्नल पकड़कर यूजर को बिजली जैसी तेज इंटरनेट स्पीड मुहैया कराता है।

डाक विभाग ने लॉन्च किया प्रीमियम राखी गिफ्ट बॉक्स, भाई-बहन के प्यार को बनाएगा खास

हल्द्वानी(ए.)। भाई-बहन के प्यार और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन नजदीक आते ही बाजारों में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच डाक विभाग ने दूर रहने वाले भाइयों तक राखी और उपहार पहुंचाने के लिए एक खास पहल शुरू की है। अब बहनें राखी के साथ पूजा सामग्री और छोटे-छोटे उपहार भी प्रीमियम राखी गिफ्ट बॉक्स में एक साथ भेज सकती हैं।प्रधान डाकघर हल्द्वानी में उपलब्ध कराए गए इन विशेष गिफ्ट बॉक्स को ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। डाकघर में करीब तीन दिन पहले पहुंचे इन बॉक्स में से अब तक आठ बॉक्स की बिक्री हो चुकी है।

500 रुपये है गिफ्ट बॉक्स की कीमत

उत्तराखंड परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय की ओर से इस साल रक्षाबंधन के लिए प्रधान डाकघर हल्द्वानी को आकर्षक प्रीमियम राखी गिफ्ट बॉक्स उपलब्ध कराए गए हैं। 'अनमोल तोहफा, अनमोल रिश्ते के लिए' संदेश के साथ तैयार किए गए इन बॉक्स का उद्देश्य त्योहार की खुशियों को और खास बनाना है। इस विशेष बॉक्स की कीमत 500 रुपये रखी गई है।

इसमें दो आकर्षक राखियों के साथ कई अन्य जरूरी और सजावटी सामान शामिल किए गए हैं।प्रीमियम राखी गिफ्ट बॉक्स में राखियों के अलावा अक्षत-कुमकुम, बैज, फ्रिज मैग्नेट, पिक्चर पोस्टकार्ड और की-रिंग जैसी वस्तुएं शामिल हैं। इससे बहनों को राखी के साथ पूजा और उपहार की सामग्री अलग-अलग खरीदने या भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डाक विभाग ने राखियों को सुरक्षित तरीके से भेजने के लिए विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे भी उपलब्ध कराए हैं। इन लिफाफों की कीमत 12 रुपये है। ग्राहकों की सुविधा के लिए डाकघर में इसके लिए अलग काउंटर की व्यवस्था की गई है।डाक विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इस साल राखियों के पार्सल की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रधान डाकघर हल्द्वानी से रोजाना करीब 700 से 800 राखियां डाक के माध्यम से भेजी जा रही हैं।

मोदी सरकार ने बताई सच्चाई, एथनॉल नहीं इस वजह से बढ़ रहे चीनी के दाम

नई दिल्ली(ए.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि चीनी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का कारण एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का इस्तेमाल करना बताना गलत है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग हो रही चीनी का शेयर 2025-26 में कम होकर करीब 9 प्रतिशत हो गया है, जो कि 2022-23 में करीब 12 प्रतिशत था।

साथ ही, कहा कि मौजूदा समय में देश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए मक्के का उपयोग हो रहा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी कई वजहों से हो रही है, जिनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम की वजह से गन्ने की फसल को हुआ नुकसान, दुनिया भर में चीनी की सप्लाई में कमी और इंडस्ट्री के कुछ हिस्सों की तरफ से सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं। मौजूदा सीजन में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जबकि गन्ना उगाने वाले राज्यों का शुरुआती अनुमान लगभग 343 एलएमटी था।

गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ-साथ ज्यादा बारिश की वजह से जलभराव से भी उत्पादन पर असर पड़ा है। अनुमान से कम उत्पादन के बावजूद, अक्टूबर में नया क्रशिंग सीजन शुरू होने तक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने बताया कि वर्तमान में चीनी की आपूर्ति में कमी एक ग्लोबल समस्या है और यह सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। 2026-27 के लिए दुनिया भर में चीनी की कमी का अनुमान लगभग 33 एलएमटी लगाया गया है। मौसम के हालात को लेकर चिंता ने भी ग्लोबल आउटलुक पर असर डाला है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रहमान सरकार को डर क्यों?

शेख हसीना बेहद अलोकप्रिय हैं, अदालत उन्हें कठोरतम सजा सुना चुकी है, और उनकी पार्टी आवामी लीग का सांगठिक ढांचा ढह चुका है, तो उनके बयानों से तारिक रहमान सरकार को डर क्यों लगता है?

छात्र आंदोलन के कारण बांग्लादेश से भागने की आई नौबत के दो साल पूरा होने पर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वर्चुअल माध्यम से पत्रकारों को संबोधित किया। ये प्रेस कांफ्रेंस इसमें कही गई बातों से ज्यादा चर्चित इसलिए हुई, क्योंकि इससे संबंधित खबर देने पर बांग्लादेश में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। तारिक रहमान सरकार ने मीडिया और सोशल मीडिया को पहले ही आगाह कर दिया था कि शेख हसीना के बयानों को जगह देना बांग्लादेश के कानून के मुताबिक 'अपराध' समझा जाएगा। वहां के मेनस्ट्रीम मीडिया ने आज्ञाकारी रुख अपनाया। नतीजतन, शेख हसीना के बयानों को ब्लैकआउट कर दिया गया। बात यहीं नहीं रुकी।

शेख हसीना की कथित तानाशाही के खिलाफ युवा विद्रोह के बाद हुए चुनाव से सत्ता में आई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार ने इस घटना को भारत के साथ कूटनीतिक मुद्दा भी बना दिया। भारत सरकार से कहा गया कि वह शेख हसीना को प्रेस कांफ्रेंस की इजाजत ना दे, जिसके जवाब में भारत को इस मामले से अपने को पूरी तरह असंबंधित बताना पड़ा। सवाल यह है कि अगर शेख हसीना बेहद अलोकप्रिय हैं, अदालत उन्हें कठोरतम सजा सुना चुकी है, और उनकी पार्टी आवामी लीग का सांगठिक ढांचा ढह चुका है, तो उनके बयानों से तारिक रहमान की सरकार को डर क्यों लगता है? शेख हसीना ने दोहराया कि वे इस साल के अंत तक बांग्लादेश लौटने के इरादे पर कायम हैं, हालांकि उन्हें मालूम है कि वहां जाने पर उन्हें दंडित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 2024 में जिस व्यापक अशांति के कारण उनकी सरकार गिरी, वह स्वत:स्फूर्ति नहीं, बल्कि संगठित विद्रोह था, जिसका मकसद चुनावी ढांचे से बाहर जाकर अवैध तरीके से राजसत्ता पर कब्जा करना था। हसीना ये बातें पिछले दो साल से कहती रही हैं। बाकी उन्होंने जो कहा, राजनेता अक्सर ऐसी बातें करते हैं। आखिर इनसे बांग्लादेश की जमीनी सूरत पर क्या फर्क पड़ेगा? जब वहां सारी शक्तियां रहमान सरकार के पास हैं और प्रधानमंत्री को जन समर्थन का भरोसा है, तो उनकी सरकार एक प्रेस कांफ्रेंस से क्यों डर गई? क्या उसके ये तौर-तरीके तानाशाही नहीं हैं?

बेटी पढ़ाओ ने भविष्य का रास्ता खोला

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझते हैं कि राजनीति केवल नीतियों से नहीं, कथाओं से भी चलती है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने भारत को जो सबसे प्रभावशाली कहानी सुनाई, वह बेटियों की कहानी थी। जनवरी 2015 में पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू करते हुए वे केवल कन्या भ्रूण हत्या रोकने की बात नहीं कर रहे थे। वे भारतीय समाज की उस पुरानी सोच को चुनौती दे रहे थे, जिसमें बेटी को पराया धन माना जाता था। उनका संदेश स्पष्ट था—बेटी को बचाइए, पढ़ाइए, अवसर दीजिए और उसे बराबरी का नागरिक बनाइए।

उस समय देश निर्भया आंदोलन की स्मृतियों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। महिलाओं ने पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर कर केवल न्याय नहीं, बल्कि निर्भय होकर सार्वजनिक जीवन जीने का अधिकार भी मांगा था। ऐसे समय नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता की तरह उभरे, जिन्होंने उस भय को भी समझा और उससे आगे का सपना भी दिखाया। बेटी बचाओ ने सुरक्षा की चिंता को संबोधित किया, बेटी पढ़ाओ ने भविष्य का रास्ता खोला। बेटी केवल संरक्षण की पात्र नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की सहभागी होगी। यही उस अभियान की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति थी।

यही कारण था कि अगले वर्षों में महिलाओं का बड़ा वर्ग मोदी के साथ खड़ा दिखाई दिया। उज्ज्वला, शौचालय, जनधन और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं ने उस भरोसे को मजबूत अवश्य किया, लेकिन रिश्ता केवल योजनाओं का नहीं था। मोदी ने महिलाओं को नए भारत की कहानी का सक्रिय पात्र बनाया था, केवल लाभार्थी नहीं।

लेकिन हर कहानी का एक दूसरा अध्याय भी होता है।

बारह वर्ष बाद वही बेटियां बड़ी हो चुकी हैं। शिक्षा ने उन्हें केवल डिग्री नहीं दी; उसने उन्हें अपनी राय भी दी है। और स्वतंत्र राय किसी भी सरकार के नियंत्रण में नहीं होती। पिछले सप्ताह जब अनेक छात्राओं और युवाओं ने प्रधानमंत्री के प्रति खुलकर असहमति व्यक्त की, तब बहस केवल उनकी भाषा पर नहीं हुई। असली प्रश्न यह था कि सत्ता असहमति का सामना कैसे करती है। यहीं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की कहानी पहली बार अपने ही नए पात्रों से टकराती दिखाई दे रही है।

इसके केंद्र में कहानी का एक मार्मिक चेहरा आज पंद्रह वर्ष की रुचिका सिंह है। उसका पहला वीडियो इसलिए वायरल हुआ क्योंकि उसने प्रधानमंत्री के लिए बेहद अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। भाषा निश्चित ही आलोचना, भर्त्सना के योग्य थी। उसे समझाया जा सकता था, डांटा जा सकता था। लेकिन तीन धाराओं में एफआईआर दर्ज होना बहस

को भाषा से उठाकर सत्ता और भय के प्रश्न तक ले गया है।असल दृश्य पहला वीडियो नहीं था। दूसरा था। कुछ ही दिनों बाद सामने आई वही लड़की पहचान में नहीं आती थी। हाथ जुड़े हुए। आंखों के नीचे गहरे काले घेरे। निगाहें झुकी हुईं। आवाज़ बुझी हुई। जिस चेहरे पर कुछ दिन पहले किशोर उम्र की बेलौस चुनौती दिखाई देती थी, वहां अब भय साफ़ पढ़ा जा सकता था। पहले वीडियो में एक ऐसी बच्ची थी जिसे अपनी सीमा का अंदाज़ा नहीं था। दूसरे वीडियो में वही बच्ची किसी अदृश्य सीमा को पार कर देने के डर से कांपती दिखाई दी। बच्चे को अनुशासन सिखाना और उसे भय सिखा देना, दोनों अलग बातें हैं। कैमरा कभी-कभी दोनों के बीच का अंतर छिपा देता है, लेकिन समाज को उसे पहचानना चाहिए। रुचिका अकेली नहीं थी। श्रद्धा भी थी। उसने रैपिड एक्शन फोर्स का मज़ाक उड़ाते हुए ऐसी भाषा इस्तेमाल की, जिसने सोशल मीडिया पर उसके खिलाफ़ गालियों का तूफ़ान खड़ा कर दिया। उसने वीडियो हटा लिया। फिर माफ़ीनामा भी जारी किया। उसके चेहरे पर भी वही थकान थी, वही टूटन, जो रुचिका के दूसरे वीडियो में दिखाई दी।

लेकिन असली बात बाद में सामने आई

बीबीसी हिंदी से बातचीत में श्रद्धा ने कहा कि जंतर-मंतर पर हजारों अनजान लोगों, लड़कों और प्रदर्शनकारियों के बीच बैठकर उसे एक बार भी डर नहीं लगा। वह बहस करती रही, नारे लगाती रही, रील बनाती रही। लेकिन जब उसने मोबाइल उठाया और स्क्रीन के पीछे बैठे लोगों की दुनिया देखी, तब उसका साहस टूट गया। यह कहते-कहते उसकी आवाज़ भर्रा गई कि सड़क पर मौजूद अजनबियों ने नहीं, बल्कि इंटरनेट पर बैठे लोगों ने उसे सबसे ज़्यादा डराया।

यहीं पिछले एक दशक का सबसे बड़ा सामाजिक परिवर्तन दिखाई देता है। 2012 में निर्भया महिलाओं के लिए सड़क भय का प्रतीक थी और घर अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थान।

2026 में तस्वीर उलट गई। जंतर-मंतर की सड़क पर युवतियां देर रात तक बैठीं, हंसीं, बहस की, गीत गाए और उन्हें अपने आसपास बैठे हजारों लोगों के बीच लगभग सुरक्षा का एहसास हुआ। वहां शोर था, संगीत था, मीम थे, हंसी थी, कभी फूहड़पन भी था, लेकिन उसके भीतर अपनी आवाज़ खोजने का उत्साह भी था। जीवन के पहले आंदोलन में कोई तैयार राजनीतिक दर्शन लेकर नहीं आता। लोग देखते हैं, सुनते हैं, बहस करते हैं और धीरे-धीरे समझते हैं कि लोकतंत्र केवल मतदान का अधिकार नहीं, बल्कि बोलने का अधिकार भी है।

लेकिन घर लौटने के बाद, अपने कमरे में, अपने मोबाइल के सामने वे अकेली पड़ गईं।वहीं से बलात्कार की धमकियां आईं। वहीं से हत्या की धमकियां आईं। वहीं से माता-पिता को निशाना बनाने वाले संदेश आने लगे। यह केवल सोशल मीडिया की गंदगी नहीं है। यह लोकतंत्र की नई चुनौती है।जिस राजनीति ने कभी महिलाओं की सुरक्षा को अपना सबसे बड़ा नैतिक प्रश्न बनाया था, उसी दौर में आज राजनीतिक असहमति रखने वाली युवतियों को चुप कराने के लिए यौन हिंसा की धमकी सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। यह केवल कुछ ट्रोल अकाउंट्स का मामला नहीं है। यह उस सार्वजनिक संस्कृति का आईना है, जिसमें असहमति का जवाब तर्क से कम और डर से अधिक दिया जाने लगा है।आज इंटरनेट सड़क से अलग कोई दुनिया नहीं है। आधी रात को मोबाइल पर मिला बलात्कार का संदेश अगले दिन किसी लड़की के कदमों का आत्मविश्वास बदल देता है। माता-पिता के खिलाफ़ आई धमकी तय करती है कि वह अगली रैली में जाएगी या नहीं। हजारों गालियां मिलकर वह काम कर देती हैं, जो पुलिस की लाठियां या बैरिकेड भी नहीं कर पाते। इंसान स्वयं अपनी आवाज़ पर पहरा लगाने लगता है।

यही सबसे गहरी चोट है।

आज भारत की एक नई पीढ़ी सामने है। वह पढ़ी-लिखी है, इंटरनेट के साथ बड़ी हुई है, राजनीति पर राय रखती है और सत्ता से सहज भयभीत नहीं होती। वह रील बनाती है, मीम बनाती है, व्यंग्य करती है। कभी उसकी भाषा मर्यादित होती है, कभी नहीं; कभी वह सही होती है, कभी गलत। लेकिन उससे पहले की पीढ़ियों की तरह उसके भीतर केवल पद के कारण पैदा होने वाली सहज श्रद्धा नहीं है।

रूस चीन और उत्तर कोरिया की, अमेरिका के खिलाफ न्यूक्लियर साझेदारी।

संजीव ठाकुर

रूस यूक्रेन युद्ध को चार साल से ज्यादा समय हो चुका हैंद्य यूक्रेन द्वारा मास्को में बड़े ड्रोन अटैक के बाद पुतिन प्रशासन पूरा हिल गया है। इसके अलावा यूक्रेन मिसाइल से रूसी युद्धपोत पर हमले से रूस की सेना घबरा गई हैद्य इतने दिनों के युद्ध के बाद भी यूक्रेन युद्ध से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं है और अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस ,ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य देशों की सामरिक मदद से यूक्रेन और बलशाली हो गया है वह लगातार काउंटर अटैक यूरोप की सेना पर कर रहा है। रूसी सेना यूक्रेन के सामने कई मोर्चों में कमजोर दिखाई देने लगी है। इसमें दो मत नहीं के रूस ने यूक्रेन को कमतर आंक कर बहुत बड़ी भूल की है यूक्रेन लगातार युद्ध मैं डटा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच पूरी दुनिया के सामने कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिससे न केवल अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दी हैं बल्कि सभी पश्चिमी देशों को गहन चिंता में डाल दिया है। उत्तर कोरिया के विक्ट्री डे उत्सव मनाने के दौरान रूस के रक्षा मंत्री सरगई शोइगू और चीन की महत्वपूर्ण कम्युनिस्ट पार्टी के सीनियर सदस्य ली होंग जोंग मौजूद नजर आए। यह तो तय है कि पुतिन, शी जिनपिंग और किम योंग के बीच अमेरिका तथा यूक्रेन के खिलाफ नई खिचड़ी पक रही है। तीनों के बीच नई न्यूक्लियर साझेदारी गुप्त रूप से की गई है जो निसंदेह अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।एजेंसियों द्वारा बताया गया कि उत्तरी कोरिया के अधिकारिक भवन में वहां के तानाशाह किम के साथ पुतिन के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इसके अलावा इस नॉर्थ कोरिया के विजय दिवस पर मिसाइल का परीक्षण भी किया गया एवं पुतिन के दाया हाथ माने जाने वाले रक्षा मंत्री सर्गेई तथा चीन के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि ली होंग जोंग की मौजूदगी यूक्रेन तथा अमेरिका के खिलाफ परमाणु संधि को परिणाम देती नजर आ रही है और यह गुप्त संधि अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के खिलाफ परमाणु युद्ध की एक बड़ी चेतावनी भी है। अब ऐसा लगने लगा है कि रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करते हुए 4 साल 6 माह से ज्यादा बीत जाने के पश्चात रूस को अपनी कमजोरियों का एहसास होने लगा है।

विपक्ष ने सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध किया

एस. सुनील

पूरी प्रक्रिया में कुछ भी ऐसा नहीं था, जिसका विरोध किया जाना चाहिए। परंतु विपक्ष ने सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध किया इसके पीछे एक कारण यह भी था कि विपक्षी पार्टियां लगभग सारे समय छात्रों के आंदोलन से दूर रही थीं। जब उनको लगा कि छात्रों के अंदर आक्रोश है तब तक देर हो गई थी। उसी की भरपाई करने के लिए विपक्षी पार्टियां ओवरटाइम कर रही हैं।

संत कवि रहीम ने लिखा है, 'क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। का रहिमन हरि घटयो, जो भृगु मारी लात'। इसका अर्थ है कि क्षमा करना बड़े लोगों की शोभा है। उन्होंने अपने इस दोहे में एक प्राचीन हिंदू कथा का हवाला दिया है, जिसके मुताबिक भृगु ऋषि एक बार भगवान विष्णु से मिलने गए। उस समय भगवान विश्राम कर रहे थे। इससे नाराज भृगु ने उनकी छाती पर लात मार दिया। इसके बावजूद निद्रा से उठे भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि को प्रणाम किया और उनकी बात सुनी। कहते हैं कि इससे नाराज होकर मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आ गई थीं और उन्हें खोजते हुए विष्णु भगवान भी पृथ्वी पर आए। तिरूमाला की पहाड़ियों में उनको मां लक्ष्मी मिलीं। वहीं तिरुपति के रूप में भगवान विराजमान हैं, जो आज एक प्रसिद्ध तीर्थ है।

बहरहाल, रहीम का दोहा और यह प्रसंग बताने का उद्देश्य यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़प्पन दिखाया है। उन्होंने एक वीडियो जारी किया, जिसमें अपनी पीड़ा भी जाहिर की लेकिन साथ ही उनके और उनकी मां के लिए अपमानजनक शब्द कहने वाले छात्रों और युवाओं को 'गुमराह बच्चे' बताते हुए उनको माफ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे नहीं चाहते हैं कि बच्चों को परेशानी हो और उन्हें कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ें। इसलिए उन्होंने खुद भी बच्चों को माफ किया और समाज से भी अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों के प्रति ऐसा ही सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाएं। प्रधानमंत्री ने एक अभिभावक के रूप में बच्चों के भविष्य की चिंता जताई और उन्हें सही राह दिखाने की आवश्यकता भी बताई।

प्रधानमंत्री के वीडियो का एक पहलू तो यह है, जिसमें वे एक अभिभावक के तौर पर बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए उनको माफ कर रहे हैं और सही रास्ते पर लाने की आवश्यकता बता रहे हैं, जबकि दूसरा पहलू एक संवेदनशील प्रधानमंत्री के तौर पर यह स्वीकार करने का है वे समाज में विद्यमान आक्रोश को समझ रहे हैं। यह साधारण बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि समाज में आक्रोश है। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि इस आक्रोश की अभिव्यक्ति के तौर पर छात्रों और युवाओं ने जंतर मंतर पर जो कुछ कहा या किया इसके लिए उनको सजा न मिले, बल्कि उनको यह संदेश जाए कि सरकार ने उनके सरोकारों को समझा है। तभी प्रदर्शनकारी छात्रों से किए गए वादे के मुताबिक सरकार ने हर जगह मुकदमे वापस किए हैं। छात्रों पर दर्ज एफआईआर रद्द की गई है। प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी के लोगों को भी यह संदेश दिया कि वे सोशल मीडिया में या समाज में सार्वजनिक जगहों पर बच्चों को सजा देने या परेशान करने वाला कोई काम नहीं करें। इस पहल से छात्रों व युवाओं का विश्वास बहाल होगा। ध्यान रहे भारतीय संस्कृति में क्षमा को बहुत महत्व दिया गया है। प्रधानमंत्री की ओर से छात्रों को क्षमा करने का भाव दिखाने के बाद नोएडा की एक छात्रा का वीडियो वायरल हुआ, जिसने जंतर मंतर पर प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द कहे थे। उस नाबालिग लड़की ने अपनी बातों पर अफसोस जताया। ग्लानि का भाव उसकी बातों से स्पष्ट झलक रहा था। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की पहल के बाद ऐसा भाव लाखों युवाओं के मन में आया होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले शुक्रवार की देर रात को जारी वीडियो में कहा हो कि वे समाज में विद्यमान आक्रोश को समझ रहे हैं। लेकिन असल में वे इसे पहले ही समझ गए थे और तभी नीतिगत पहल का ऐलान कर दिया था ताकि लोगों का आक्रोश समाप्त हो और व्यवस्था में विश्वास बहाल हो। उन्होंने इसकी शुरुआत गुरुवार, 23 जुलाई को ही कर दी थी, जिस दिन पेपर लीक रोकने के लिए कठोर सजा के प्रावधान वाला बिल लाने की घोषणा की थी। उसके तुरंत बाद 'पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' को कैबिनेट ने मंजूरी दी। सोमवार को यह बिल लोकसभा में पेश किया गया। मंगलवार और बुधवार की चर्चा के बाद इसे लोकसभा ने मंजूरी दी और गुरुवार को राज्यसभा से बिल मंजूर हो गया। यह संयोग है कि गुरुवार की शाम को ही प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। छात्रों, युवाओं और उनके अभिभावकों के सरोकारों को समझते हुए प्रधानमंत्री ने नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का गठन किया। यह कमेटी परीक्षा प्रणाली की कमियों को पहचान कर उसमें सुधार के सुझाव देगी। इस कमेटी में इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि भी शामिल हैं। दुर्भाग्य की बात है कि विपक्ष ने इसका समर्थन करने की बजाय इसका भी विरोध शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में आधार की ऑथोरिटी के प्रमुख रहे नंदन नीलेकणी को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है लेकिन कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को लग रहा है कि नीलेकणी सिर्फ एक आईटी कंपनी के मालिक हैं। सरकार की इस बड़ी पहल को कमतर बताने के मकसद से उन्होंने देश में आईटी क्रांति से जुड़े एक प्रतिष्ठित उद्यमी, सम्मानित समाजसेवी, विजनरी लीडर और आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी का तो अपमान किया ही अपनी ही सरकार के किए काम को भी कमतर बना दिया। इसी तरह उन्होंने वी कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कह कर मजाक उड़ाया। सबको पता है कि कामकोटि भारत सरकार के 'शक्ति प्रोजेक्ट' के प्रमुख रहे हैं, जिसके तहत सेमीकंडक्टर और एआई की आधारशिला को मजबूत किया गया था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने जो कहा कि वह सिर्फ सरकार की पहल का विरोध नहीं है, बल्कि भारतीय जीवन मूल्यों से जुड़े प्रतीकों का मजाक उड़ाने की मानसिकता को भी दिखाता है। पता नहीं कांग्रेस के लोगों को सनातन से जुड़े प्रतीकों से इतनी नफरत क्यों है? बाद में देश के दो सौ से ज्यादा शिक्षाविदों और कुलपतियों व पूर्व कुलपतियों ने एक खुला पत्र लिख कर प्रियंका गांधी वाड्रा की कही गई बात पर आपत्ति दर्ज कराई।

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा और कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी और बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा और आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक- ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा लेकिन खर्च की भी अधिकता रह सकती है। आज आप किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आज कोर्ट-कचहरी के मामलें में बड़ी राहत मिलेगी और जल्द ही फैसला आपके पक्ष में होगा।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा रहेगा। आज आपको खुशखबरी मिलेगी, नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा खत्म होगी। आज नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा और आप पूरी सावधानी से काम करेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपको संतान की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। आज आपकी नौकरी में सफलता के योग हैं और आपकी सैलरी भी बढ़ सकती है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा, ऑफिस के सभी लोग आपकी तारीफ करेंगे। इस राशि के कला और अभिनय से जुड़े व्यक्तियों को आज किसी बड़ी हस्ती से मिलने का मौका मिलेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी और कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरुरतमंदों की मदद करेंगे। आज आप जो भी निर्णय करें, पहले थोड़ा सोच-समझ लें। आज आप व्यापार में विकास के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। आज आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी। आज आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी और कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति भी मिलेगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे और इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आज आपकी सैलरी में वृद्धि होगी, आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपको नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आज आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप कार्यस्थल पर विरोधियों से बचकर रहें ।

कक्षा 12 वीं तक पहुंचते पहुंचते 73 प्रतिशत छात्र हो गए कम

शिक्षा पर तय किया गया खर्च का लक्ष्य 6 प्रतिशत है बहुत दूर

डॉ. चन्दर सोनाने

हाल ही में संसद की संसदीय समिति ने देश में 12 वीं तक पहुंचते पहुंचते 73 प्रतिशत छात्र कम हो जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। यह समिति देश में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की स्थिति की समीक्षा कर रही थी। साल 2024-25 के यूडीआईएसई के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल 10 लाख 92 हजार सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में से सिर्फ 1 लाख 61 हजार माध्यमिक स्कूल और 90 हजार 866 उच्चतर माध्यमिक स्तर के स्कूल ही है। प्राथमिक से हायर सेकेंडरी स्कूल अर्थात 12 वी कक्षा तक छात्रों की संख्या 6 करोड़ 18 लाख से घटकर मात्र 1 करोड़ 64 लाख ही रह जाती है। यह अत्यन्त चिंताजनक स्थिति है। संसद की संसदीय समिति ने स्कूलों की कमी और छात्रों की संख्या में गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताया और प्राथमिक विद्यालयों को माध्यमिक विद्यालयों तक तथा माध्यमिक विद्यालयों को हायर सेकेंडरी विद्यालयों तक अपग्रेड करने की सिफारिश की है। इसके साथ ही समिति ने यह भी देखा की जो छात्र कक्षा 9वीं से 12 वीं तक पहुंच रहे हैं, उन छात्र-छात्राओं के सामने अनेक बार नई किताबों की कमी और बदलते एप्लीकेशन आधारित बोर्ड परीक्षा पैटर्न की समस्या भी आ रही है। इस संसदीय समिति के अनुसार इससे खासकर 10वीं और 12वीं के छात्रों में तनाव और भ्रम पैदा हो रहा है। इस पर भी समिति ने चिंता व्यक्त की है।संसदीय समिति ने इसके अतिरिक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण में कमी, सीबीएसई परीक्षा की फीस, दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाओं की कमी और शिक्षा के बजट में कम हो रहे खर्च को लेकर भी अनेक सिफारिशें की है। देश के आधे से ज्यादा स्कूलों में अभी दिव्यांगों के लिए पर्याप्त सुविधा न होने पर भी संसदीय समिति ने चिंता व्यक्त की है।

समिति के अनुसार कक्षा 9 से 12 तक का पाठ्यक्रम एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 के अनुरूप है, लेकिन एनसीईआरटी अभी नई किताबें जारी कर रहा है। इस कारण पढ़ाई के क्रियान्वयन में भी अंतर आ रहा है। समिति ने इस पर भी चिंता व्यक्त की कि नई पढ़ाई के साथ पुरानी सामग्री भी चल रही है। किताबों की कमी और नए बोर्ड पैटर्न से कक्षा 10 वीं और 12 वीं के छात्रों में तनाव पैदा हो रहा है।

वर्तमान में देश के 14,71,437 स्कूलों में से केवल 5,23,143 स्कूलों में ही दिव्यांग अनुकूल शौचालय और 80,84,66 स्कूलों में ही रेलिंग वाले रैंप है। संसदीय समिति ने इस पर भी चिंता व्यक्त की कि वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा 186 दिव्यांगों के अनुकूल शौचालय बनाने के लिए 4 करोड़ 82 लाख रूपए आवंटित किए थे, लेकिन खर्च केवल 2 लाख 60 हजार रूपए ही हो पाए ! नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 में शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च को जीडीपी के 6 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था। किन्तु यह निर्णय हो जाने के 6 साल बाद भी केन्द्र-राज्यों का संयुक्त शिक्षा खर्च अभी जीडीपी का 4.1 प्रतिशत ही है। संसदीय समिति ने समयबद्ध वित्तीय रोडमेप बनाने की भी सिफारिश की है। संसदीय समिति द्वारा की गई समीक्षा के आंकड़े चैंकाने वाले और दुखद है। शिक्षा की नींव ही बनती है प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं से। यदि नींव ही कमजोर होगी तो ईमारत बुलन्द कैसे बन सकेगी ? यह विचारणीय गंभीर विषय है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को चाहिए के वे नींव को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास करें। इसके साथ ही सभी प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आने वाले छात्रों के लिए ऐसी माकूल व्यवस्था कायम की जाए कि वे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होने पाए। इसके लिए सभी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराने के साथ ही नीति के अनुरूप शिक्षकों की तैनाती की जाए, ताकि बच्चों की नींव मजबूत बन सके। इसके अतिरिक्त कक्षा 12 वीं तक आते-आते छात्र कम क्यों हो रहें हैं ? इसके कारणों की पड़ताल की जाए और उन कमियों को दूर करने के ठोस प्रयास किए जाएं तभी स्कूल छोड़ने वाले बच्चें कम हो सकेंगे तथा जिस उद्देश्य के साथ छात्र स्कूल पढ़ने आते हैं, वह उद्देश्य पूरा हो सकेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 23 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

आयरन फैक्ट्री के कंट्रोल रुम में अचानक लगी आग, 3 इंजीनियरों की मौत, एक मजदूर घायल

रांची (आरएनएस)। झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित एक स्पंज आयरन फैक्टरी के कंट्रोल रूम में अचानक आग लग गई। हादसे में कई मजदूर झुलस गए। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में तीनों इंजीनियर शामिल हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। झुलसे लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का इलाज जारी है।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि कंट्रोल रूम में किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण आग लगी होगी। हालांकि, आग की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

टीवी चैनलों पर विज्ञापन की 12 मिनट की सीमा खत्म, 21 अगस्त से लागू हुआ नया नियम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने टीवी चैनलों पर विज्ञापन प्रसारण की 12 मिनट की सीमा को खत्म कर दिया है। इस संबंध में केवल टेलीविजन नेटवर्क नियम 1994 में संशोधन की गजट अधिसूचना 21 अगस्त 2026 को जारी कर दी गई, जिसके साथ ही नया नियम प्रभावी हो गया।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया था कि विज्ञापन अवधि की सीमा हटाने का फैसला टीवी प्रसारण क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और कारोबार में सुगमता सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।टीवी चैनलों के लिए 12 मिनट की विज्ञापन सीमा वर्ष 2006 में लागू की गई थी। उस समय देश में केवल 62 टीवी चैनल थे। अब इनकी संख्या 900 से अधिक हो चुकी है। इसके अलावा केबल टीवी के डिजिटलीकरण के बाद डीटीएच केबल, जैसे प्लेटफॉर्म पर दर्शकों को बड़ी संख्या में चैनल उपलब्ध हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, टीवी उद्योग में अब पर्याप्त प्रतिस्पर्धा मौजूद है। वहीं डिजिटल मीडिया पर विज्ञापन अवधि की ऐसी कोई सीमा नहीं होने के कारण पारंपरिक टीवी चैनलों के लिए समान अवसर का मुद्दा भी था।सरकार का मानना है कि विज्ञापन अवधि की सीमा हटने से टीवी चैनलों को विज्ञापन बाजार में अधिक लचीलापन मिलेगा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। अब टीवी चैनलों पर विज्ञापन की अधिकतम 12 मिनट की निर्धारित सीमा लागू नहीं रहेगी।

पटना में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत, हाथ पर लिखे नाम और मोबाइल नंबर से हुई पहचान

पटना (आरएनएस)। बिहार के पटना के लोहा पुल के पास ट्रेन की चपेट में आने से करीब 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पटना साहिब जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद काफी देर तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। रेलवे पुलिस युवक की पहचान कराने में जुटी हुई थी। मृतक की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस के लिए यह मामला चुनौती बना हुआ था। इसी दौरान पटना साहिब जीआरपी के सहायक सब इंस्पेक्टर बृज किशोर पांडे की नजर युवक के हाथ पर पड़ी। युवक के हाथ पर नाम और मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। पुलिस ने उसी मोबाइल नंबर के आधार पर मृतक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश शुरू की। इसके बाद पटना साहिब जीआरपी के सब इंस्पेक्टर मन्नू कुमार ने मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। परिजनों से बातचीत के बाद युवक की पहचान सौरभ कुमार, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता स्वर्गीय शिव कुमार प्रसाद, निवासी नवी नगर गांव, थाना दीपनगर, जिला नालंदा के रूप में हुई।परिजनों ने पुलिस को बताया कि सौरभ सुन और बोल नहीं सकता था। परिवार के मुताबिक, वह श्रवण और वाणी संबंधी समस्या से जूझ रहा था। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और परिवार के लोग पटना के लिए रवाना हुए। फिलहाल जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि सौरभ रेलवे ट्रैक के पास कैसे पहुंचा और किन परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट होने की उम्मीद है। पटना साहिब जीआरपी मामले की जांच में जुटी है, जबकि सौरभ की मौत के बाद उसके परिवार में मातम पसरा हुआ है।

टॉप कंपनी का इंजीनियर, 60 लाख पैकेज; ससुरालियों ने पीट-पीटकर की हत्या, पत्नी बोली- सब ड्रामा कर रहे हैं

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के निहाल विहार स्थित लक्ष्मी पार्क में सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। घटना के बाद मृतक के स्वजन ने उसकी पत्नी रेखा और उसके मायके पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का दावा है कि विनय को उसके घर में ही कई लोगों ने बेरहमी से पीटा और उसे बचाने पहुंची उसकी मां को भी कमरे से बाहर कर दिया गया।स्वजन के अनुसार, शुक्रवार सुबह विनय और उसकी पत्नी रेखा के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद रेखा ने अपने पिता ज्ञान चंद, भाइयों राजकुमार और सोनू, एक भाई की पत्नी समेत कुछ अन्य लोगों को घर बुलाया। उस समय घर में विनय और उसकी मां मौजूद थीं। परिवार के मुताबिक, रेखा के मायके से आए लोग कार से घर पहुंचे और बिना किसी बातचीत के सीधे पहली मंजिल पर स्थित विनय के कमरे में चले गए। विनय नोएडा स्थित एडोबी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करता था। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। करीब साढ़े तीन वर्ष पहले उसकी शादी रेखा से हुई थी। दोनों के करीब साढ़े चार माह के जुड़वां बच्चे भी हैं।

विनय की मां के मुताबिक, कुछ देर बाद उन्हें ऊपर से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। उन्हें आशंका हुई कि विनय के साथ मारपीट की जा रही है। आवाज सुनकर वह तुरंत पहली मंजिल पर पहुंचीं। परिवार का आरोप है कि कमरे में कई लोग विनय को घेरकर उसके साथ मारपीट कर रहे थे। विनय की मां ने जब उसे बचाने का प्रयास किया तो कथित तौर पर उन्हें भी रोक दिया गया। स्वजन का आरोप है कि रेखा वहां मौजूद थी और उसने विनय को बचाने के बजाय कथित तौर पर मारपीट करने वालों का साथ दिया।

बंगाल के पहाड़ी इलाकों के लिए स्थायी राजनीतिक समाधान पर अमित शाह की अहम बैठक

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, कर्सियांग और कालिम्पोंग समेत पहाड़ी इलाकों की लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक समस्या के स्थायी समाधान को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक शुरू हुई। सिलीगुड़ी के पास सुकना स्थित एक रिसॉर्ट में शुरू हुई इस बैठक में केंद्र व राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ पहाड़ की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के नेता भी शामिल हुए।

बैठक में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट और पहाड़ की तीन विधानसभा सीटों के विधायक नोमन राय (दार्जिलिंग), भरत कुमार छेत्री (कालिम्पोंग) और सोनम लामा (कर्सियांग) मौजूद हैं। गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के अध्यक्ष बिमल गुरुंग और महासचिव रोशन गिरी भी बैठक में शामिल हुए हैं। गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) के मौजूदा अध्यक्ष और संगठन के संस्थापक दिवंगत सुभाष घीसिंग के बेटे मान घीसिंग भी बैठक में मौजूद हैं।बैठक का सबसे अहम मुद्दा पहाड़ी क्षेत्र के लिए स्थायी राजनीतिक समाधान तलाशना है। अलग गोरखालैंड की मांग को लेकर दार्जिलिंग और आसपास के पहाड़ी

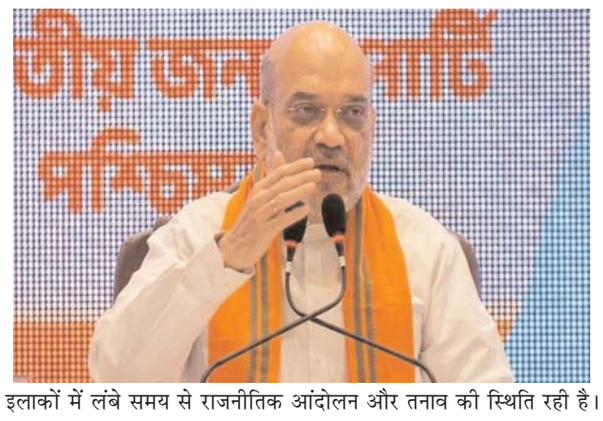

इलाकों में लंबे समय से राजनीतिक आंदोलन और तनाव की स्थिति रही है। वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकारों के दौरान भी पहाड़ की राजनीतिक पार्टियों और राज्य सरकार के बीच इस मुद्दे को लेकर कई दौर में टकराव और बातचीत होती रही है। साल 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जीजेएम ने भाजपा का समर्थन किया था। इसके बाद दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों की सभी छह विधानसभा सीटों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की जीत हुई। राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद जीजेएम नेतृत्व को उम्मीद है कि केंद्र और राज्य में एक ही गठबंधन की सरकार होने से पहाड़ की राजनीतिक समस्या के समाधान का रास्ता निकल सकता है। पिछले महीने बिमल गुरुंग और रोशन गिरी ने कोलकाता में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की थी। लोक निर्माण विभाग के मैदान में बने अस्थायी शिविर में हुई इस बैठक में परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह भी मौजूद थे।

करीब डेढ़ घंटे चली बातचीत के बाद गुरुंग ने उम्मीद जताई थी कि केंद्र और राज्य सरकार के साथ बातचीत के जरिए पहाड़ की राजनीतिक समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।शनिवार की बैठक में गोरखालैंड के मुद्दे के अलावा पहाड़ी इलाकों में शिक्षकों की नियुक्ति, चाय बागानों की स्थिति, परिवहन व्यवस्था और गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होने की संभावना है। ऐसे में अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक पहाड़ की राजनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एफडीसी दवाओं पर रोक, लेबल पर चेतावनी लिखना अनिवार्य

नई दिल्ली, (आरएनएस)। छोटे बच्चों की सेहत और सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा और अहम फैसला लिया है। सरकार ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फेनिलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड वाले फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि अब इन दो सामग्रियों वाले किसी भी फॉर्मूलेशन का उत्पादन या बिक्री नहीं की जा सकेगी। साथ ही, कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे इन दवाओं के लेबल पर स्पष्ट चेतावनी लिखें कि इनका इस्तेमाल चार साल से कम उम्र के बच्चों पर नहीं किया जाना चाहिए। सरकार ने इस फैसले के पीछे बच्चों की सुरक्षा को सबसे बड़ा कारण बताया है। दरअसल, यह फैसला एक एक्सपर्ट कमेटी और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्ट में पाया कि क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फेनिलेफ्राइन का कॉम्बिनेशन चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इस उम्र के बच्चों में इसके दुष्प्रभाव अधिक देखे जा सकते हैं, जबकि इसके सुरक्षित विकल्प बाजार में मौजूद हैं।गौरतलब है कि इससे पहले 15 अप्रैल 2025 को जारी की गई अधिसूचना के जरिए सरकार ने क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फेनिलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड वाले कुछ खास एफडीसी पर ही रोक लगाई थी।

गन्ने के खेत में बेटी को प्रेमी संग देख भड़का पिता, फिर बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर कर दी पिता की हत्या

बस्ती(ए.)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। छावनी थाना क्षेत्र में एक 52 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी और उसके प्रेमी पर गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच करीब दो साल से प्रेम संबंध था और मृतक पिता इस रिश्ते का विरोध करता था। आरोप है कि 21 अगस्त को पिता ने बेटी और उसके प्रेमी को गन्ने के खेत में साथ देख लिया। विवाद के बाद कथित तौर पर दोनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को गमछे से बांधकर पास की नहर में छिपाने का आरोप है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दो साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

पुलिस के अनुसार, रमवापुर गांव निवासी कृष्णा मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी 17 वर्षीय बेटी का पड़ोसी गांव बभरौली निवासी युवक लक्ष्मण से करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध होने की बात सामने आई है।परिवार के अनुसार, कृष्णा को इस रिश्ते की जानकारी थी और वह बेटी को लगातार समझाते थे। वह बेटी की शादी करना चाहते थे, लेकिन उसकी उम्र कम होने के कारण शादी नहीं हो पा रही थी।पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त को किशोरी अपने प्रेमी से मिलने उसके घर गई थी। बाद में दोनों बभरौली गांव के पास कब्रिस्तान के नजदीक गन्ने के खेत में मौजूद थे। इसी दौरान कृष्णा बकरी चराते हुए वहां पहुंच गए और उन्होंने दोनों को एक साथ देख लिया।

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार बस ने ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को रौंदा, 5 की मौत, 5 घायल

बेतिया ,(आरएनएस)। बिहार के बेतिया में एनएच-727 के बेतिया-लौरिया मार्ग पर शुक्रवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बसवरिया और पराउटोला के बीच गोरखपुर से बेतिया जा रही शाही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे छठिहार समारोह के दौरान ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों की भीड़ में जा घुसी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए।

मृतकों में दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

बताया जाता है कि धर्मेंद्र दुबे के घर शुक्रवार को छठिहार समारोह का आयोजन था। उनका घर एनएच-727 के किनारे स्थित है। समारोह के दौरान घर के बाहर ऑर्केस्ट्रा का कार्यक्रम रखा गया था। आसपास के लोग सड़क किनारे खड़े होकर कार्यक्रम देख रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार शाही बस अनियंत्रित होकर भीड़ में जा घुसी और कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय बेतिया की ओर से गैस सिलेंडर लदा ट्रक आ रहा था, जबकि लौरिया की तरफ से शाही बस बेतिया की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस की रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गई।

पुणे में राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले सियासी टकराव, एनएसयूआई-एबीवीपी कार्यकर्ताओं में झड़प; पुलिस ने किया मामला दर्ज

पुणे, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में पुणे में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले ही राजनीतिक माहौल गरमा गया है। शिवाजीनगर स्थित सीईओपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार झड़प की घटना सामने आई है।

घटना के बाद दोनों छात्र संगठनों ने एक-दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। झड़प के चलते विश्वविद्यालय परिसर में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों के बीच एनएसयूआई और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच किसी मुद्दे को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते दोनों गुट आमने-सामने आ गए और मामला झड़प तक पहुंच गया। हालांकि, विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और झड़प की शुरुआत किसने की, इसे लेकर अभी तक पुलिस की ओर से आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

घटना पर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि पुणे में शिक्षा की गुणवत्ता, सुविधाओं और छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारी असंतोष है।

सपकाल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कार्यक्रम को छात्रों का व्यापक समर्थन मिल रहा है, जिससे विरोधी असहज हैं।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, ग्रामीणों ने हाईवे किया जाम

जयपुर, (आरएनएस)। जयपुर जिले में एक भयानक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपत्ति और उनकी दो बहुएं शामिल हैं। यह हादसा सरमथुरा-फलोदी मेगा हाईवे पर फागी से लगभग तीन किलोमीटर दूर माधोराजपुरा रोड पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब फागी के धामुनियों का मोहल्ला के रहने वाले सत्यनारायण कुम्हार सड़क के किनारे अपने खेत से काटी गई मूंग की फसल सुखा रहे थे। उनकी पत्नी और दो बहुएं भी उनकी मदद कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने उन चारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे सभी लगभग 20 फीट दूर जा गिरे। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय सत्यनारायण, पत्नी मनमौजी (55), बद्री की पत्नी अमृता (30) और सुरेश की पत्नी शिमला (25) की मौत मौके पर ही हो गई।

परिवार के चार सदस्यों की मौत से इलाके में शोक और गुस्सा फैल गया। हादसे के बाद फागी पुलिस ने शवों को फागी उप-जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल के बाहर जमा हो गए और पीड़ितों के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की।

इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जयपुर-भीलवाड़ा मेगा हाईवे को जाम कर दिया और धरना दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।

संभल हिंसा के कथित मास्टरमाइंड शारिक साठा पर इंटरपोल का शिकंजा, जारी हुआ रेड कॉर्नर नोटिस

संभल, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के कथित मास्टरमाइंड और भगोड़े गैंगस्टर शारिक साठा के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। पुलिस के मुताबिक, साठा जाली पासपोर्ट के जरिए दुबई भाग गया था और लंबे समय से विदेश में रहकर आपराधिक गतिविधियां संचालित कर रहा है।संभल के पूर्व पुलिस अधीक्षक और वर्तमान में बिजनौर के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शुक्रवार को बताया कि साठा को अदालत पहले ही भगोड़ा अपराधी घोषित कर चुकी है। उसकी संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई भी शुरू की गई थी। जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने का अनुरोध किया था।

पुलिस के अनुसार, साठा जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल कर दुबई भाग गया था। उसके परिवार के सदस्यों के दुबई आने-जाने की जानकारी भी पुलिस को मिली थी। पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए सीबीआई को विस्तृत डोजियर सौंपा। इसके बाद सीबीआई ने इंटरपोल के साथ समन्वय कर उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया।बिश्नोई ने कहा कि अब साठा को गिरफ्तार कर उसे उस देश से भारत प्रत्यर्पित कराने की कोशिश की जाएगी, जहां वह मौजूद है। इसके बाद 24 नवंबर 2024 की हिंसा के मामले के अलावा उसके खिलाफ दर्ज अन्य आपराधिक मामलों में भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, साठा के खिलाफ उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में करीब 55 से 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें वाहन चोरी समेत कई संगठित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस का आरोप है कि वह विदेश में रहते हुए भी आपराधिक गतिविधियों को संचालित कर रहा था।24 नवंबर 2024 को संभल की शाही जामा मस्जिद के कोर्ट के आदेश पर सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। सर्वे का विरोध कर रहे स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई थी। यह दावा किया गया था कि मस्जिद की जगह पहले हरिहर मंदिर था। हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। पुलिस जांच के दौरान साठा को इस मामले में कथित मुख्य साजिशकर्ता के रूप में चिन्हित किया गया। पुलिस का कहना है कि वह कई साल पहले ही देश छोड़कर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। पुलिस के मुताबिक, साठा के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा चुका था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 84 के तहत उसके घर पर नोटिस भी चस्पा किया गया था।

सरकार का बड़ा फैसला, अखिलेश-मायावती समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने की तैयारी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा एहतियाती कदम उठाया है। सुरक्षा मुख्यालय ने करीब 10 लाख रुपये की लागत से बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदी हैं। जानकारी के मुताबिक, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, बीएसपी सुप्रीमो मायावती समेत करीब 44 नेताओं को ये जैकेट उपलब्ध कराने की तैयारी है। सरकार के 11 मंत्रियों को भी सुरक्षा कवच के तौर पर बुलेटप्रूफ जैकेट दी जाएगी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों और खुफिया इनपुट के मौजूदा आकलन को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। Y कैटेगरी से लेकर Z+ सुरक्षा प्राप्त नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट दिए जाने की योजना है। इनमें मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल नंदी समेत कई अन्य प्रमुख नेता शामिल बताए जा रहे हैं। बुलेटप्रूफ जैकेट पाने वाले नेताओं की सूची में संगीत सोम और सुरेश राणा के नाम भी शामिल हैं। मंत्रियों और विधायकों के अलावा कुछ अन्य प्रमुख राजनीतिक नेताओं के लिए भी जैकेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

विधानसभा चुनाव के दौरान बड़े नेताओं की जनसभाओं, रैलियों और चुनावी दौरों में सुरक्षा व्यवस्था सबसे अहम मुद्दों में रहती है। ऐसे में बुलेटप्रूफ जैकेट की व्यवस्था को सुरक्षा तंत्र मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कनाडा में एडमंटन के गुरुद्वारे में चाकूबाजी, 2 लोग घायल

ओटावा, (आरएनएस)। कनाडा के एडमंटन में एक गुरुद्वारे में चाकूबाजी की घटना हुई है। यहां नानकसर गुरुद्वारा गुरसिख मंदिर परिसर में एक शख्स ने चाकू मारकर 2 युवकों को घायल कर दिया। फिलहाल आरोपी शख्स को हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुबह की प्रार्थना में घुसने की कोशिश कर रहा था और रोकने पर उसने हमला कर दिया।

पीड़ितों की आयु 75 और 51 वर्ष है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। लोगों ने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोपी को पकड़ लिया और बाद में पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी पुलिस के लिए जाना-पहचाना है और 2015 से ही हिंसक अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस अब आरोपी के मकसद की जांच कर रही है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने हमले पर हैरानी जताई है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज सुबह एडमंटन के नानकसर गुरुद्वारे में हुआ हमला बेहद भयावह है। मेरी संवेदनाएं इस घटना में घायल हुए 2 लोगों और इस भयानक घटना से स्तब्ध समुदाय के साथ हैं। किसी भी व्यक्ति को अपने पूजा स्थल पर असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। मैं एडमंटन पुलिस सेवा को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

अमेरिका-कनाडा की व्यापार वार्ता विफल; ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, रात से होगा लागू

वाशिंगटन/ओटावा,(आरएनएस)। अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन से चल रही बातचीत में कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। इसके बाद अमेरिका ने कहा है कि वो कनाडा पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहा है। ये टैरिफ आज रात से लागू हो जाएंगे। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि धारा 338 के तहत लगने वाले टैरिफ लगभग 20 अरब डॉलर मूल्य के कनाडाई सामानों को प्रभावित करेंगे।

टैरिफ को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इससे अमेरिका को कनाडा के वार्षिक निर्यात का लगभग 5 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित होगा।

जिन सामानों पर टैरिफ लगने जा रहा है, उनमें हॉकी स्टिक, प्लाईवुड, शराब, बिजली का सामान से लेकर सैकड़ों उत्पाद शामिल हैं।

पिछले साल अमेरिका और कनाडा के बीच 880 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार हुआ था, जो दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की व्यापकता को दर्शाता है।कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चेतावनी देते हुए कहा कि ओटावा नए अमेरिकी टैरिफ का जवाब डॉलर के बदले डॉलर से देगा।उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में बातचीत में अच्छी प्रगति हुई थी, लेकिन वह कनाडा के हितों को पूरा करने के लिए काफी नहीं थी। आखिरी समय में अमेरिका ने समझौते की शर्तें बदल दीं। इससे किसी भी समझौते पर भरोसा करना मुश्किल हो गया था।अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि समझौते की दिशा में प्रगति के बावजूद कनाडा बातचीत से पीछे हट गया।उन्होंने कहा, वाशिंगटन ने कनाडा को अमेरिका को निर्यात करने वाले किसी भी प्रमुख देश की तुलना में सर्वोत्तम व्यवहार की पेशकश की थी, लेकिन ओटावा द्वारा नई मांगों और पिछली प्रतिबद्धताओं को पलटने से वार्ता के दौरान हासिल किया गया संतुलन बिगड़ गया है।

ग्रीर ने अमेरिकी प्रस्ताव को दूरदर्शी बताया।

टैरिफ से कनाडा के निर्यात के अपेक्षाकृत छोटे हिस्से पर असर पड़ेगा, लेकिन ये इस्पात, लकड़ी और ऑटोमोबाइल पर पहले से लागू टैरिफ के अतिरिक्त होगा।इनसे कनाडा की आर्थिक रिकवरी पर और दबाव पड़ सकता है और समझौते पर बातचीत में जटिलता आ सकती है।

'भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है', सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान में बढ़ी बेचैनी

इस्लामाबाद (आरएनएस)। सिंधु जल संधि के भारत की ओर से 'अबेयंस' में रखे जाने के बाद पाकिस्तान की चिंता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने आशंका जताई है कि भारत भविष्य में पानी का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सामने अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जिसमें फसलों की जरूरत के समय पानी की उपलब्धता प्रभावित होने का खतरा है।एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में अहसान इकबाल ने कहा कि सिंधु जल संधि एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है और भारत द्वारा इसे एकतरफा रूप से रोकने के फैसले ने पाकिस्तान के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। उनके मुताबिक, पाकिस्तान को आशंका है कि पानी का इस्तेमाल राजनीतिक या रणनीतिक दबाव के साधन के तौर पर किया जा सकता है।

बांधों को बताया 'बफर'

अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान जिन बांधों का निर्माण कर रहा है, वे भविष्य में देश के लिए एक तरह के 'बफर' का काम कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि केवल बांधों के निर्माण से समस्या का समाधान नहीं होगा।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं कर सकता और अपनी राजनयिक ताकत का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सिंधु जल संधि से जुड़े अपने हितों को उठाता रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने संधि को रखा था अबेयंस

मेंभारत ने अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को अबेयंस में रखने का फैसला किया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए थे।

भारत सरकार ने जुलाई और अगस्त 2026 में भी अपनी स्थिति दोहराते हुए कहा है कि सिंधु जल संधि तब तक अबेयंस में रहेगी, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के समर्थन को विश्वसनीय और स्थायी रूप से छोड़ नहीं देता।

शहबाज शरीफ बोले- पानी की हर बूंद रेड लाइन

इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सिंधु जल संधि को लेकर भारत को चेतावनी दी है। 13 अगस्त को इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पानी की हर बूंद उसकी 'रेड लाइन' है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान की जल आपूर्ति को खतरा पहुंचाया गया तो इस्लामाबाद सीधा जवाब देगा।

शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है और युद्ध नहीं चाहता, लेकिन उसकी शांति की इच्छा को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने भारत से अपनी नीति बदलने की अपील करते हुए पानी के मुद्दे पर किसी भी तरह के समझौते से इनकार किया।

भारत ने कहा- रुख में कोई बदलाव नहीं

पाकिस्तान की ओर से लगातार दिए जा रहे बयानों के बीच भारत ने साफ किया है कि सिंधु जल संधि को लेकर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संधि अभी भी अबेयंस में है और पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के समर्थन को विश्वसनीय रूप से छोड़ने तक भारत का रुख यही रहेगा।इस तरह सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। पाकिस्तान जहां पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता जता रहा है, वहीं भारत ने संधि को अबेयंस में रखने के अपने फैसले को सीमा पार आतंकवाद से जोड़ते हुए अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।

आर्थिक प्रतिबंध के अमेरिकी ऐलान पर भड़का ईरान, कहा-ये देशों के खिलाफ युद्ध की घोषणा

तेहरान,(आरएनएस)। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ इतिहास के सबसे सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को भी चेतावनी दी थी। इस पर अब ईरान की प्रतिक्रिया सामने आई है। ईरान ने कहा कि तेहरान को निशाना बनाने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंध केवल ईरान का मुद्दा नहीं हैं, बल्कि सभी स्वतंत्र राष्ट्रों की संप्रभुता के लिए खतरा हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने ट्रंप के ऐलान को स्पष्ट, पूर्ण पैमाने पर उपनिवेशवाद की वापसी बताया। उन्होंने कहा, ये उपाय किसी एक देश के खिलाफ आर्थिक युद्ध से कहीं बढ़कर हैं। ये उपाय संयुक्त राष्ट्र के अन्य स्वतंत्र सदस्य देशों पर अपना अधिकार जताने का अमेरिका का प्रयास हैं। अमेरिका अन्य देशों की सरकारों, बैंकों, व्यवसायों और हवाई अड्डों के ईरान के साथ व्यापार करने के तरीके को नियंत्रित करना चाहता है।बघई ने कहा, किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वह विदेशी बैंकों, उद्यमों या हवाई अड्डों को, जो सभी अपनी-अपनी संप्रभुता के अनन्य अधिकार क्षेत्र के तहत काम करते हैं, किसी तीसरे देश के साथ वैध व्यापार करने से रोकने के लिए बाध्य करे।

वोलोडिमीर जेलेंस्की के गृहनगर में रूसी ड्रोन हमले में 16 लोगों की मौत, 130 अन्य घायल

कीव(आरएनएस)। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहा युद्ध अब और अधिक घातक होता जा रहा है। शुक्रवार को रूसी ड्रोनों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह शहर में एक व्यस्त शॉपिंग सेंटर पर दिन के उजाले में भीषण हमला किया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले के बाद जेलेंस्की ने रूस के इस बर्बरतापूर्ण कृत्य का कड़ा जवाब देने का संकल्प लिया है।

क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सांद्र हांझा ने बताया कि इस हमले में घायल हुए 130 से अधिक लोगों में 22 बच्चे भी शामिल हैं। 29 लोगों की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है, जिनमें 5 बच्चे अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

गवर्नर ने बताया कि 2 बच्चों सहित कम से कम 9 लोग अभी भी लापता हैं। राहत कर्मी लगातार शॉपिंग सेंटर के मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटे हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस हमले की तीव्र निंदा की

उन्होंने कहा, इस तरह के हमले और कुछ नहीं बल्कि विशुद्ध रूप से आतंकवादी कृत्य हैं। यह पूरी तरह से घिनौना और निंदनीय है कि पहला हमला होने के ठीक आधे घंटे बाद एक और रूसी ड्रोन ने उसी शॉपिंग सेंटर को निशाना बनाया। यह जानबूझकर वहां पहुंचे आपातकालीन सेवा कर्मियों और बचावकर्मियों को मारने की कोशिश थी। हम इसका निश्चित रूप से जवाब देंगे।इस युद्ध में रूस ने यूक्रेन पर अपने हवाई हमलों की तीव्रता को काफी बढ़ा दिया है। शुक्रवार को ही एक अन्य हमले में दक्षिणी क्षेत्र मायकोलाइव में भी एक रूसी ड्रोन ने तबाही मचाई, जहां 3 बच्चों समेत 4 नागरिकों की मौत हो गई।गुरुवार को कीव पर हुए रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमले में 17 लोगों की मौत हो गई थी। जवाब में यूक्रेन ने भी रूस के भीतर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

फीचर

क्या आप जानते हैं कि मच्छर क्यों होते हैं आपकी ओर आकर्षित? जानें कारण

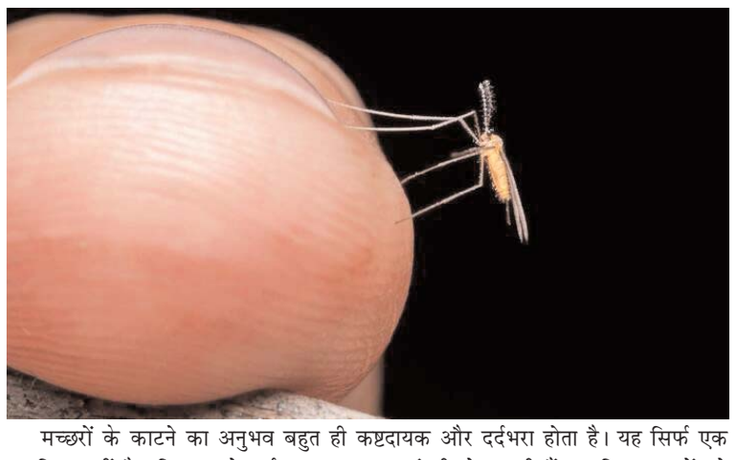

मच्छरों के काटने का अनुभव बहुत ही कष्टदायक और दर्दभरा होता है। यह सिर्फ एक असुविधा नहीं है बल्कि इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए मच्छरों को घर के आसपास न भटकने दें। अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको ज्यादा काटते हैं तो इसकी वजह जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बताते हैं, जो आपको मच्छरों के काटने का मुख्य कारण बन सकते हैं।

शरीर की गंध

मच्छरों को उन लोगों की गंध बहुत आकर्षित करती है, जिनके शरीर से काफी ज्यादा पसीना आता है। दरअसल, पसीने में मौजूद कुछ तत्व मच्छरों को अपनी ओर खींचते हैं। इसके अलावा जब आप तेज एक्सरसाइज करते हैं या दौड़ते हैं तो आपके शरीर से निकलने वाला पसीना भी मच्छरों को आकर्षित कर सकता है।इसलिए शरीर की गंध का ध्यान रखें ताकि मच्छर आपको काटने के लिए आकर्षित न हो।

काले रंग के कपड़े

अगर आप काले रंग के कपड़े पहनना पसंद करते हैं तो आपको बता दें कि इससे भी मच्छर आपकी ओर आकर्षित होते हैं और वे आपको अपना शिकार बना ही लेते हैं।दरअसल, काले रंग के कपड़े पहनने से आप ज्यादा गर्म महसूस कर सकते हैं क्योंकि गर्म वातावरण मच्छरों को आकर्षित करता है। इसलिए अगर आप गर्म मौसम में काले रंग के कपड़े पहनते हैं तो आपको मच्छरों से ज्यादा खतरा होता है।

नमी और तापमान

मच्छर गर्म और नम वातावरण में तेजी से पनपते हैं। इसलिए बरसात के दौरान या गर्मियों में जब नमी ज्यादा होती है, तब मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इसके अलावा उच्च तापमान भी मच्छरों की गतिविधि को बढ़ा सकता है।इसलिए बरसात में घर में घुसने वाले मच्छरों से बचाव के लिए घर की खिड़कियों और दरवाजों को बंद रखें और खुद को मच्छरों से बचाने के लिए कुछ उपाय जरूर अपनाएं।

फल और फूल

फल और फूल भी मच्छरों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। दरअसल, फलों में मौजूद प्राकृतिक मिठास और फूलों की खुशबू मच्छरों को आकर्षित करती है।इसलिए अगर आप अपने घर या आंगन में फलों के छिलके या फूल रख देते हैं तो इससे मच्छरों की संख्या बढ़ सकती है।हालांकि, अगर आपके घर में फल और फूल नहीं हैं तो मच्छरों को दूर रखने के लिए कुछ उपाय जरूर अपनाएं।

टी-सीरीज ने भाग्यश्री बोरसे की कास्टिंग की अफवाहों का किया खंडन, जल्द होगा असली हीरोइन का खुलासा

टी-सीरीज ने उन खबरों को गलत बताया है, जिनमें कहा जा रहा था कि भाग्यश्री बोरसे, आदित्य रॉय कपूर के साथ मिलाप जवेरी की अगली फिल्म में नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि वे इस फिल्म के लिए सही अभिनेत्री के नाम का जल्द ही आधिकारिक ऐलान करेंगे।भाग्यश्री ने यारियां 2 (2023) और चंदू चैंपियन (2024) में कैमियो भूमिका किए। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में किंगडम और आंध्रा किंग तालुका जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई।

कान्था में उनकी भूमिका को दर्शकों ने खूब सराहा। इस साल वह लेनिन में अखिल अक्किनेनी के साथ नजर आई और अब कमल हासन के प्रोडक्शन में बनी फिल्म सेयोन में शिवकार्तिकेयन के साथ दिखेंगी।

प्राजक्ता माली ने मुंबई में खरीदा नया घर, एक-2 नहीं चुकाए पूरे इतने करोड़

अभिनेत्री प्राजक्ता माली ने मुंबई में अपना नया और शानदार फ्लैट खरीदा है। उनका यह नया आशियाना ओबेरॉय एक्सीक्विजिट, गोरेगांव ईस्ट में है।

यह फ्लैट 28वीं मंजिल पर है, जो 996 स्क्वायर फीट का है और इसमें एक टैंडम पार्किंग स्पॉट भी मिलता है।

प्राजक्ता ने यह फ्लैट 12 अगस्त, 2026 को नूर खान और यूसुफ अली खान से 6.42 करोड़ रुपये में खरीदा।

इस फ्लैट की कीमत का बड़ा हिस्सा इंडियन बैंक से होम लोन के तौर पर लिया गया था। करीब 5.78 करोड़ रुपये का यह लोन जुलाई के आखिर में मंजूर हुआ था।

बाकी की रकम प्राजक्ता ने खुद चुकाई। इसके साथ ही, उन्होंने स्टाम्प ड्यूटी के लिए 32.12 लाख रुपये और रजिस्ट्रेशन फीस के लिए 30,000 रुपये का अलग से भुगतान किया। यह सारा अतिरिक्त खर्च फ्लैट की कुल कीमत में शामिल नहीं था।

बालकनी को रात में भी खूबसूरत बना सकते हैं ये पौधे

अगर आप अपनी बालकनी को रात में भी खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ ऐसे पौधे चुन सकते हैं, जो रात में भी महकते हैं। ये पौधे न केवल आपकी बालकनी को सजाएंगे, बल्कि इनकी खुशबू आपको सुकून भी देगी। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताते हैं, जो रात में महकते हैं और आपकी बालकनी को एक खास लुक देंगे।

रात की रानी

रात की रानी एक ऐसा पौधा है, जिसकी खुशबू रात में ही आती है। इस पौधे के फूल रात के समय खिलते हैं और उनकी खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है।इसे लगाना आसान है और इसकी देखभाल भी कम करनी पड़ती है। यह पौधा गर्मियों में ज्यादा खिलता है, जिससे आपकी बालकनी पर एक खास माहौल बनता है।इसके अलावा यह पौधा पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होता है।

चमेली

चमेली का पौधा भी रात में महकता है और इसकी खुशबू बहुत ही ताजगी भरी होती है। चमेली के फूलों का उपयोग

कई औषधीय गुणों के लिए भी किया जाता है।इस पौधे की देखभाल करना आसान है और यह किसी भी प्रकार की मिट्टी में उग सकता है।इसे नियमित रूप से पानी देने की जरूरत नहीं होती, जिससे यह बहुत ही कम देखभाल में भी अच्छा फलता-फूलता है। इसकी खुशबू आपके मन को शांत रखेगी।

तुलसी

तुलसी का पौधा तो लगभग हर घर में मिलता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुलसी की खुशबू रात में भी आती है। इसे नियमित रूप से पानी देने की जरूरत नहीं पड़ती। बस इसे थोड़ी धूप चाहिए होती है।

तुलसी के पौधे का उपयोग औषधीय गुणों के लिए भी किया जाता है। इसकी खुशबू आपको सुकून देगी और आपके मन को शांत रखेगी। इसे किसी भी प्रकार की मिट्टी में उगाया जा सकता है।

बेला

बेला एक ऐसा पौधा है, जिसकी सफेद कलियां रात में खिलती हैं। इसकी खुशबू बहुत ही ताजगी भरी होती है।

इन सभी पौधों को आप अपनी बालकनी में लगाकर न केवल उसे सुंदर बना सकते हैं बल्कि रात में आने वाली ताजगी भरी खुशबू से उसका माहौल भी बदल सकते हैं।

इन पौधों की देखभाल करना आसान है और ये कम पानी मांगते हैं, जिससे आपकी बालकनी हमेशा हरी-भरी रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा से उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं के विस्तार तथा केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विशेष फोकस इस बात पर है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसके निकट ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं तक स्वास्थ्य तंत्र को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ, वनांचल एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। राज्य सरकार इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता और आधुनिक उपचार सुविधाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा को प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, गंभीर बीमारियों के उपचार, स्वास्थ्य बीमा और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में व्यापक बदलाव आया है। आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से जरूरतमंद परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिली है। छत्तीसगढ़ सरकार भी केंद्र की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

साहित्य सृजन संस्थान के पाँचवे स्थापना दिवस में पत्रकार लहरे भी होंगे सम्मानित

रायपुर, (आरएनएस) । साहित्य सृजन संस्थान द्वारा रविवार 23अगस्त को राजधानी रायपुर के वृन्दावन सभागार में अपने पांचवें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह सवेरे 10 बजे शुरू होगा ।इस अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी होगा । समारोह में छत्तीसगढ़ के ग्राम कोसीर (जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़) निवासी वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार लक्ष्मीनारायण लहरे साहिल को श्रेष्ठ पत्रकार सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा । समारोह में कई कवियों और समाज सेवियों का भी सम्मान होगा। सम्मान के लिए चयनित सभी लोगों को साहित्य सृजन संस्थान के अध्यक्ष वीर अजीत शर्मा ने कार्यक्रम में आमंत्रित किया है । उन्होंने सभी प्रबुद्ध जनों से भी कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है । उल्लेखनीय है कि सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले के पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे अपने गृह ग्राम कोसीर में रहकर पिछले 26 -27 वर्षों से अधिक समय से साहित्य सृजन और आंचलिक पत्रकारिता में सक्रिय हैं।

श्रवण यंत्र ने कांति के जीवन में जगाई नई उम्मीद

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के खड़कागांव की रहने वाली कांति दुग्गा (पिता श्री घसिया दुग्गा) के जीवन में समाज कल्याण विभाग की पहल से एक नया मोड़ आया है। श्रवण बाधित होने के कारण कांति को दैनिक जीवन में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। दूसरों पर निर्भरता और बातचीत में असमर्थता के चलते उन्हें 10वीं कक्षा के बाद अपनी पढ़ाई भी अधूरी छोड़नी पड़ी थी।

कांति की इस समस्या को दूर करने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायक उपकरण प्रदाय योजना के तहत उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। इस छोटी सी मदद ने कांति के जीवन को पूरी तरह बदलकर रख दिया। अब वे न केवल अपने परिवार और समाज के लोगों की बातें सहजता से सुन और समझ पा रही हैं, बल्कि अपने दैनिक काम भी पूरे आत्मविश्वास के साथ करने लगी हैं। श्रवण यंत्र मिलने से कांति का खोया हुआ आत्मविश्वास वापस लौट आया है। पढ़ाई छोड़ चुकी कांति अब एक बार फिर अपनी शिक्षा पूरी करने और आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं।

अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव और सशक्तिकरण के लिए कांति ने जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विष्णु भैया के सुशासन में हर बहन को उसका अधिकार मिल रहा है। यह श्रवण यंत्र सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि एक बड़े भाई का स्नेह और संबल है, जिसने मुझे फिर से आगे बढ़ने का हौसला दिया है। 'भाई का स्नेह, बहनों का अधिकार—विष्णु भैया के साथ आत्मनिर्भर परिवार' की यह सोच आज मेरे जैसे कई परिवारों के सपनों को सच कर रही है।

(रायपुर) जनजातीय कारीगरों के हुनर को मिलेगा व्यापक बाजार, 20 कलाकारों एवं कारीगरों ने लगाए स्टॉल।

रायपुर में रैली,जुलूस व सार्वजनिक आयोजनों के लिए देना होगा एक हजार रुपये शुल्क

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में रैली, जुलूस और सार्वजनिक आयोजनों के बाद सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम ने शुल्क दोगुना कर दिया है। अब आयोजनकर्ताओं को प्रति आयोजन 500 रुपए की जगह 1000 रुपए सफाई शुल्क देना होगा। नगर निगम ने यह निर्णय मेयर इन काउंसिल की 23 सितंबर 2025 की बैठक और सामान्य सभा की 29 अक्टूबर 2025 की बैठक में पारित संकल्प के आधार पर लागू किया है। नगर निगम के अनुसार सार्वजनिक मैदान, सड़क, फुटपाथ, चौराहे और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रैली, जुलूस, धरना, पंडाल या अस्थायी संरचना लगाने के लिए अनुमति लेना जरूरी होगा। इसके लिए संबंधित जोन कार्यालय के जोन कमिश्नर को निर्धारित प्रारूप में आवेदन देना होगा।रैली-जुलूस या किसी सार्वजनिक आयोजन की अनुमति के लिए आयोजनकर्ता को कम से कम 7 दिन पहले आवेदन करना अनिवार्य होगा। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने संबंधित जोन कमिश्नरों को अनुमति प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया है। आवेदन के साथ संबंधित विभागों की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी जमा करनी होगी। इनमें अनुविभागीय दंडाधिकारी, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, जिला सेनानी होमगार्ड एवं अग्निशमन विभाग और विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता या सहायक अभियंता की अनुमति शामिल है। नगर निगम के मुताबिक सार्वजनिक आयोजनों के बाद सड़कों, मैदानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई व्यवस्था के लिए अब प्रति आयोजन 1000 रुपए शुल्क लिया जाएगा। पहले यह शुल्क 500 रुपए निर्धारित था। निगम ने आयोजनकर्ताओं से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने और सभी जरूरी एनओसी के साथ अनुमति लेने की अपील की है।

रायपुर में मारपीट और चोरी के कई मामले दर्ज, ई-रिक्शा चोरी समेत छह घटनाओं में एफआईआर

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 21 अगस्त को मारपीट, धमकी, वाहन तोड़फोड़ और चोरी के कई मामले दर्ज किए गए। पुलिस के अपराध विवरण के अनुसार टिकरापारा, राजेंद्र नगर, पुरानी बस्ती, सिविल लाइन और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। टिकरापारा थाना क्षेत्र के दुर्गापारा बंगाली मोहल्ला, संतोषी नगर में आरोपी अजीत पांडेय और उसके ससुर पर घर में घुसकर गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने तथा हाथ-मुक्के और डंडे से मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने पीड़ित रोशन साहू की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसी थाना क्षेत्र में गोकुल नगर शराब दुकान के सामने डायमंड राम साहू के साथ भी मारपीट की घटना सामने आई।

आयुक्त उतरे सड़क पर, शैक्षणिक संस्थानों के समीप दुकानों, ठेलों पर तम्बाकू उत्पाद विक्रय पर कराई कार्यवाही

कोरबा (आरएनएस)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय खुद सड़कों पर उतरे तथा निगम क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों, स्कूल, कालेज आदि के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद, बीड़ी, सिगरेट, गुटका, गुडाखू आदि का विक्रय करने वालों पर कार्यवाही कराई तथा दुकान ठेला संचालकों को कड़ी हिदायत दी कि वे तम्बाकू उत्पादों का विक्रय व भण्डारण कदापि न करें। इस दौरान दर्जनों दुकानों, ठेलों से काफी मात्रा में तम्बाकू उत्पाद बीड़ी, सिगरेट, गुटका, गुडाखू आदि की जप्ती तथा अर्थदण्ड की कार्यवाही की गई, साथ ही अनेक दुकानों को सील भी कर दिया गया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नशामुक्ति भारत अभियान अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत स्थित शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद, बीड़ी, सिगरेट, गुटका, गुडाखू आदि के विक्रय व भण्डारण पर कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने इसे एक विशेष अभियान के रूप में संपादित कराये जाने के दृष्टिगत निगम के सभी 07 जोनांतर्गत टीमों का गठन करते हुये निगम के अपर आयुक्त पवन वर्मा को अभियान का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है, इस अभियान में नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग व पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही है।

ट्रक ने मजदूरों से भरी पिकअप को मारी टक्कर, 3 की मौत, 7 गंभीर

बलरामपुर, (आरएनएस)। बलरामपुर जिले में शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। राजपुर-कुसमी मुख्य मार्ग पर सेवारी हायर सेकेंडरी स्कूल के पास बॉक्साइट से लदे ट्रक और मजदूरों से भरी पिकअप की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक पिकअप में चालक समेत 11 मजदूर सवार थे। सभी मजदूर प्रतापपुर क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं और काम के सिलसिले में शंकरगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सेवारी स्कूल के पास सामने से आ रहे बॉक्साइट लोड ट्रक से उनकी पिकअप की भिड़ंत हो गई।

खेल समाचार

सिनसिनाटी ओपनः कोको गॉफ सेमीफाइनल में पहुंची, सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग

सिनसिनाटी,(आरएनएस)। कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। जीत के बाद गॉफ ने कहा, यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए और मैच खेलने होंगे। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में बेजलेक ने पहले नंबर 1 कैरोलिन प्लिसकोवा, मौजूदा नंबर 1 आर्यना सबालेंका, मैडिसन कीज और बारबोरा क्रेजसिकोवा जैसी दो और ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराया है। बेजलेक और गॉफ के बीच फाइनल में जगह बनाने के लिए रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

अमृतसर सूरमाज की कप्तानी मेरे लिए गर्व की बात : अभिषेक शर्मा

अमृतसर(आरएनएस)। भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शेर ए पंजाब टी20 लीग में अमृतसर सूरमाज की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अपने गृहनगर की टीम की कप्तानी करना बेहद खास है। मैं अमृतसर सूरमाज की कप्तानी करने और पंजाब की अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को आगे बढ़ाने को लेकर उत्साहित हूं। अभिषेक शर्मा ने कहा, इस टीम की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है और साथ ही एक भावनात्मक जिम्मेदारी भी है। पंजाब ने मेरे क्रिकेट सफर में मुझे सब कुछ दिया है। अब सिर्फ खिलाड़ी के रूप में नहीं, बल्कि अपने गृह राज्य की टी20 लीग में एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा, मेरी व्यक्तिगत सोच हमेशा पहली गेंद से ही विपक्ष पर दबाव बनाने की रही है और मैं चाहता हूं कि यही मानसिकता पूरी प्लेइंग इलेवन में दिखाई दे। बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग—किसी भी विभाग में हमें असफलता के डर के साथ नहीं खेलना चाहिए।अभिषेक इस लीग को पंजाब के उभरते क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा अवसर भी मानते हैं, क्योंकि इससे उन्हें प्रतिस्पर्धी, टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले क्रिकेट और पेशेवर फ्रेंचाइजी माहौल का अनुभव मिलेगा।उन्होंने कहा, यह पंजाब क्रिकेट के लिए गेम-चेंजर है। राज्य के अलग-अलग जिलों में अपार युवा प्रतिभाएं है, जिसे राष्ट्रीय घरेलू टूर्नामेंटों में हमेशा तुरंत पहचान नहीं मिल पाती। एक टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली प्रतिस्पर्धी लीग इस दूरी को खत्म करती है।अभिषेक युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास, मैच की समझ और दबाव की परिस्थितियों में सही फैसले लेने का महत्व सिखाना चाहते हैं।

लद्दाख में बनेगा दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम, 11,800 फीट की ऊंचाई पर गूंजेगा क्रिकेट का रोमांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के नाम एक और बड़ी खेल उपलब्धि जुड़ने जा रही है। लद्दाख में समुद्र तल से करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की योजना तैयार की गई है। लेह के पास थिक्से इलाके में प्रस्तावित इस स्टेडियम के निर्माण पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

लद्दाख में क्रिकेट की बुनियाद मजबूत करने और स्थानीय युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह परियोजना तैयार की गई है। प्रस्तावित स्टेडियम का नाम 'रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम' रखा जा सकता है। लद्दाख प्रशासन का लक्ष्य क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्टेडियम बनने के बाद घरेलू स्तर के मुकाबलों के आयोजन के साथ-साथ खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास का बेहतर विकल्प मिलेगा। प्रस्तावित क्रिकेट मैदान लेह से करीब 17 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। हालांकि, लद्दाख की कठिन मौसम परिस्थितियों को देखते हुए यहां बड़े मुकाबलों का आयोजन

मुख्य रूप से गर्मियों के मौसम में ही संभव होगा। लद्दाख पहले से ही देश-विदेश के पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। ऐसे में विश्व के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रशासन स्टेडियम को बड़े स्तर पर विकसित करने की योजना बना रहा है, ताकि क्रिकेट प्रेमी भी लद्दाख की ओर आकर्षित हों।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित क्रिकेट स्टेडियम ने भी खेल और पर्यटन को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। इसी तरह लद्दाख में प्रस्तावित स्टेडियम के भी क्षेत्र के पर्यटन को नई पहचान देने की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में करीब 8,000 फीट की ऊंचाई पर क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है। लद्दाख में प्रस्तावित मैदान इससे करीब 3,800 फीट अधिक ऊंचाई पर होगा। इसके बनने के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट मैदान होने का दावा कर सकेगा। भारत के पास पहले से ही दर्शक क्षमता के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम मौजूद है। अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम का पुनर्निर्माण 2015 में शुरू हुआ था और फरवरी 2020 में इसका उद्घाटन किया गया। बाद में इसका नाम नरेंद्र मोदी स्टेडियम रखा गया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में करीब 1,32,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। इस मामले में उसने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) को पीछे छोड़ा है, जिसकी क्षमता करीब 1,00,024 दर्शकों की है।

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

लुसाने, (आरएनएस)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया।

ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे।नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया।दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने रोम और दोहा में भी खिताब जीता था।इस परिणाम के साथ पथिरागे के खिलाफ नीरज का आमने-सामने का रिकॉर्ड 0-3 हो गया है। अब नीरज की नजर आगामी एशियाई खेलों पर होगी, जहां वह सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर वापसी करना चाहेंगे।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले श्रीलंका का बड़ा दांव, 1996 के वर्ल्ड कप विजेता इस खिलाड़ी का बनाया बल्लेबाजी कोच

कोलंबो । भारत के खिलाफ 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले श्रीलंका क्रिकेट (SLC) ने अपनी बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में मिली करारी हार के बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और 1996 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य हर्षण तिलकरत्ने को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है।59 वर्षीय तिलकरत्ने ने 21 अगस्त से श्रीलंका क्रिकेट के नेशनल हाई परफॉरमेंस सेंटर में खिलाड़ियों के साथ काम करना शुरू कर दिया है। उनका अनुबंध 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। श्रीलंका को उम्मीद है कि उनका अनुभव भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। हर्षण तिलकरत्ने श्रीलंकाई क्रिकेट के बड़े नामों में शामिल हैं। उन्होंने श्रीलंका के लिए 83 टेस्ट और 200 वनडे मुकाबले खेले हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 8,200 से अधिक रन दर्ज हैं। वह 1996 में वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम के अहम सदस्य भी रहे हैं। खेल से संन्यास लेने के बाद तिलकरत्ने ने कोचिंग के क्षेत्र में भी लंबा अनुभव हासिल किया। 2018 से 2020 अंडर-19 वर्ल्ड कप तक उन्होंने श्रीलंका अंडर-19 टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। तिलकरत्ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी कोचिंग कर चुके हैं। लंका प्रीमियर लीग के 2020 में खेले गए पहले सीजन में वह कैंडी टस्कर्स के मुख्य कोच रहे थे।जून 2021 में उन्होंने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद संभाला। उनके कार्यकाल में टीम 2022 महिला एशिया कप के फाइनल तक पहुंची। इसके

बाद नवंबर 2022 में उन्होंने दो साल के लिए बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभाली।थिलिना कंदाम्बी के पद छोड़ने के बाद भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज विक्रम राठौर को 18 जनवरी से 10 मार्च तक कंसल्टेंसी आधार पर श्रीलंका का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया था। राठौर का कार्यकाल समाप्त होने और आगामी महत्वपूर्ण टेस्ट मुकाबलों को देखते हुए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने तिलकरत्ने को यह जिम्मेदारी सौंपी है। गॉल टेस्ट में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद श्रीलंका की बल्लेबाजी पर सवाल उठे थे। अब टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि तिलकरत्ने का अनुभव बल्लेबाजों की तकनीकी और मानसिक कमियों को दूर करने में मदद करेगा।

नर्मदे हर से प्रारंभ हुई संस्कार कावड़ यात्रा, हर हर महादेव के जय घोष के साथ काले महादेव को जल अर्पित कर हुआ समापन

विवेकानंद घाट से काले महादेव मंदिर तक निकली भव्य नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण एवं नर्मदा तट क्षेत्र के संरक्षण के उद्देश्य से शनिवार को नर्मदापुरम के विवेकानंद घाट से भव्य नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा निकाली गई। हजारों कांवड़ियों की सहभागिता वाली इस यात्रा में धार्मिक आस्था के साथ जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। यात्रा का विशेष आकर्षण प्रत्येक कांवड़ में एक ओर नर्मदा जल का लोटा और दूसरी ओर पौधा रखा जाना रहा। कांवड़ियों ने पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर यात्रा में सहभागिता की। यात्रा में दादा गुरु महाराज, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नरोलिया, विधायक विजयपाल सिंह, मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, श्रीमती प्रीति शुक्ला, कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर दादा गुरु महाराज ने नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा को प्राकृतिक संरक्षण की दृष्टि से सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को देवतुल्य स्थान दिया गया है। वृक्ष हमारे जीवन का प्रत्यक्ष आधार हैं। इसी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्व को आत्मसात

हजारों कांवड़ियों ने दिया जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

करते हुए कांवड़ में एक ओर जल और दूसरी ओर पौधा रखकर यात्रा की जा रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। मोक्षदायिनी मां नर्मदा के तट पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि मां नर्मदा को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखें और नर्मदा तट के प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें।धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प है यात्रा: प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद मोहन नागर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि भारतीय परंपरा में प्रकृति को दिए गए देवतुल्य स्थान और उसके संरक्षण का संदेश देने वाली पहल है। उन्होंने कहा कि यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान शिव को जल अर्पित करने के साथ-साथ प्राकृतिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण वृक्षों के रोपण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार यह यात्रा धार्मिक आस्था और प्रकृति संरक्षण के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से आयोजित इस यात्रा के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने भी यात्रा में नर्मदा जल एवं पौधे को लिए हुए कावड़ उठाकर यात्रा की।

इस दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने पूरी यात्रा में पैदल भ्रमण कर यात्रा के समापन स्थल श्री काले महादेव मंदिर पहुंचे जहां पर विधिवत भगवान श्री भोलेनाथ की पूजन अर्चन कर कावड़ यात्रा का समापन किया गया।यात्रा के दौरान प्रत्येक कांवड़ में एक लोटा नर्मदा जल एवं एक पौधा रखा गया। इस पहल के माध्यम से जल संरक्षण, नर्मदा संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 5000 पौधों के रोपण की योजना को भी क्रियान्वित किया गया।

यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा कांवड़ यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा विवेकानंद घाट से प्रारंभ होकर नेहरू पार्क, सत रास्ता, अमर चौक, जय स्तंभ चौक, हलवाई चौक, सराफा एवं सेठानी घाट होते हुए काले महादेव मंदिर पहुंची। काले महादेव मंदिर में यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान मार्गभर श्रद्धालुओं में उत्साह और उमंग का वातावरण रहा तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश गूंजता रहा।

विशाल संस्कार कावड़ यात्रा में अखाड़ों ने किया शानदार प्रदर्शन

पहलवानों ने दिखाए रोमांचक करतब, कन्याओं ने प्रस्तुत किया नारी शक्ति का अद्भुत स्वरूप

नर्मदापुरम (निप्र)। दादागुरु के सानिध्य में एवं भगवान महादेव की भक्ति से ओत-प्रोत विशाल संस्कार कावड़ यात्रा विवेकानंद घाट से काले महादेव घाट तक निकाली गई। यात्रा में शहर के विभिन्न अखाड़ों के पहलवानों ने रोमांचक कलाबाजियां एवं शौर्यपूर्ण करतब प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।यात्रा के दौरान पहलवानों ने विभिन्न साहसिक करतबों का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों पर कावड़ यात्रियों एवं मार्ग में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयकारों और तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर श्री बजरंग व्यायामशाला एवं जिम, शास्त्री मोहल्ला; श्री दुर्गा लाल अखाड़ा, भीलपुरा; श्री महर्षि दयानंद व्यायामशाला, ग्वालटोली; श्री बजरंग व्यायामशाला, मालाखेड़ी; श्री कृष्णा व्यायामशाला, ग्वालटोली एवं शुक्रवाड़ा क्षेत्र की कुल 7 व्यायामशालाओं के उस्तादों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में युवाओं ने शारीरिक क्षमता, अनुशासन और शौर्य का प्रदर्शन किया।

कन्याओं ने दिखाया नारी शक्ति का स्वरूप

विशेष आकर्षण श्री बजरंग व्यायामशाला एवं जिम की कन्याओं की प्रस्तुति रही। बालिकाओं ने तलवार, पट्टा, बनेठी, डंडे, चक्र, गदा एवं त्रिशूल के साथ पत्थर फोड़ने और आग के गोलों जैसे साहसिक करतब प्रस्तुत किए। उनके आत्मविश्वास और साहस ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से बेटियों ने संदेश दिया कि वे शिक्षा और संस्कारों के साथ आत्मरक्षा एवं शारीरिक सामर्थ्य में भी आगे हैं।

श्री बजरंग व्यायामशाला के अध्यक्ष नलिन कुमार पटेल एवं संचालक पवन सिंह मौर्य ने शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए अभिभावकों से बच्चों एवं बच्चियों को नियमित रूप से अखाड़ों में भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि व्यायाम, कुश्ती एवं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण बच्चों को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है। उन्होंने नगर पालिका एवं प्रशासन से शहर के प्रत्येक वार्ड में अखाड़ों एवं व्यायाम प्रशिक्षण की व्यवस्था विकसित करने की मांग की, ताकि नई पीढ़ी को भारतीय व्यायाम, कुश्ती एवं अखाड़ा संस्कृति से जोड़ा जा सके।

कलेक्टर के निर्देश पर सीएमओ द्वारा गठित की गई टीम

रक्षाबंधन पर व्यवस्थित बाजार लगाने हेतु सौंपे अधिकारियों कर्मचारियों को दायित्व

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा आगामी रक्षाबंधन एवं भुजरिया पर्व पर व्यवस्था बनाने हेतु नपा के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। साथ ही कड़े निर्देश दिए गए हैं कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राखी बाजार व्यवस्थित रूप से लगवाएं। एआरआई रवि सूर्यवंशी ने बताया कि सीएमओ श्री देशमुख के निर्देशन में बाजार व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। रक्षाबंधन एवं भुजरिया पर्व 28 एवं 29 अगस्त के अवसर पर अस्थाई रूप से राखी रुमाल आदि की दुकानें लगाई जाएंगी। इस वर्ष भी इंदिरा चौक पर जगह आवंटन एवं लेआउट डालकर व्यापारियों की दुकानों को व्यवस्थित करने हेतु अधिकारियों कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। जिसमें उपयंत्री दीक्षा तिवारी के साथ एआरआई शेख अकबर ब्रजेश सारवान सहायक ग्रेड 3 गौरव वर्मा इंदिरा चौक के आसपास अस्थाई राखी बाजार लगाए जाने हेतु लेआउट एवं व्यापारी से सामांजस्य बनाते हुए दुकान लगाने की व्यवस्था करेंगे। स्वच्छ भारत अभियान नोडल अनुराग तिवारी इंदिरा गांधी चौक के आसपास की समुचित साफ-सफाई व्यवस्थाए ले आउट अनुसार चूने की लाइन आदि कार्य कराएंगे। दुकान किराया वसूली का कार्य सरानि रविंद्र सूर्यवंशी अनंत सिंह राजपूत मूर्तिसिंह राजपूत मुकेश कदम वसूलीकर्ता शैलेंद्र साहू सुनील अवस्थी करेंगे। उपराजस्व निरीक्षक शेख अकबर एवं अतिक्रमण दल प्रभारी और हाका दल प्रभारी गगन सोनी प्रतिदिन निर्धारित स्थल से कर्मचारियों के माध्यम से अतिक्रमण हटाने चिह्नित स्थल अपेक्षा अन्य स्थानों पर दुकानें नहीं लगाने हेतु कार्रवाई करेंगे। साथ ही आवारा पशुओं को हटाने की कार्रवाई करेंगे।

ग्वालटोली में भक्ति भाव से मनाया जाएगा भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव

भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव लीला का होगा मंचन

नर्मदापुरम(निप्र)। पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव समारोह समिति ग्वालटोली द्वारा भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। आयोजन समिति के तुकाराम यादवेश ने बताया कि यह आयोजन केसरिया गार्डन में मनाया जाएगा।महिला भजन मंडलों द्वारा 3 सितंबर गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक एवं रात्रि में पुरुष भजन मंडलों द्वारा भजनों की प्रस्तुत होगी।पूर्व की भांति प्रतियोगिता प्रत्येक स्तर पर दो दो पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम एवं द्वितीय कक्षा पांचवी से दसवीं तक कक्षा नौवीं से 12वीं तक । इसमें भागवत कथा प्रश्न समय 2 बजे से 4 तक। चित्रकला-समय 4 बजे से 5 तक। तथा रंगोली प्रतियोगिता शाम 5 से 6 बजे तक रहेगी। विशेष केवल ग्वाल समाज की प्रतिभाएं नर्मदापुरम् के छात्र-छात्राएं जो सर्वाधिक अंक पाने वाले बोर्ड परीक्षा 2026 में कक्षा 8 वीं 10 वीं एवं 12 वीं तथा खेलकूद में जो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त किया 2025 एवं 2026 में प्रतिभागी अपनी.अपनी अंक सूची एवं प्रमाण पत्र ओरिजिनल दिखाकर छाया प्रतिएक सितंबर तक जरूर जमा करें। स्थान अनु बुक डिपो मार्ग ग्वालटोली में जमा कर सकते हैं। 04 सितंबर शुक्रवार सुबह 9 बजे से लीला मंचन कार्यक्रम होगा जिसमें संगीतकार दूरदर्शन कलाकार पं ओपी शर्मा आनंद नामदेव एवं दिनेश मालवीय आदि की उपस्थिति में होंगे। भगवान शंकर श्री कृष्ण बाल स्वरूप के दर्शन हेतु नंद भवन में पधारेंगे। इसमें अनेक नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों द्वारा लीला का मंचन किया जाएगा पश्चात प्रतिभा सम्मान खिलाड़ी सम्मान एवं प्रतियोगी कलाकारों कोमुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कार वितरण के पश्चात प्रसाद वितरण होगा।

श्रीमद् भागवत कथा में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

डोलरिया (निप्र)। ग्राम डोलरिया स्थित खेड़ापति माता मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शनिवार देर शाम भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आते ही पूरा कथा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में झूमते और नाचते नजर आए। कथा व्यास पंडित आचार्य संतोष महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि कलियुग में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण मनुष्य को आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है और अहंकार का नाश करता है। उन्होंने कहा कि जब धरती पर अत्याचार और अनाचार बढ़ गया तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के आठवें गर्भ से जन्म लेकर अत्याचारी कंस का संहार किया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का भी सुंदर वर्णन किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में सजे नन्हे बालक के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों व परिवार के लिए स्वास्थ्य शिविर

निःशुल्क मुख एवं दंत रोग शिविर में पुलिस परिवार के स्वास्थ्य का परीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों के बेहतर स्वास्थ्य व कल्याण को प्राथमिकता देते हुए नर्मदापुरम पुलिस द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एसण् थोटा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के नेतृत्व में पुलिस परिवार के लिए दो दिवसीय निःशुल्क दंत एवं मुख चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय शिविर 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है जिसमें पुलिस परिवार के सभी सदस्य अपनी दंत एवं मुख संबंधी समस्याओं का निःशुल्क परीक्षण एवं परामर्श प्राप्त कर रहे हैं। शिविर के दौरान अभी तक लगभग 60 से 70 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों की सफलतापूर्वक जांच व परीक्षण किया जा चुका है।शिविर का आयोजन नर्मदापुरम की प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ रुचि द्विवेदी मिश्रा के संस्थान में किया जा रहा है। इस दौरान भोपाल से पधारी अनुभवी दंत चिकित्सकों की विशेष टीम द्वारा मरीजों की जांच एवं उपचार किया जा रहा है।

त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए मिष्ठान्न विनिर्माण केंद्रों की जांच

संयुक्त दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से 06 मिठाई के नमूने लिए, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जाएंगे

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन के संयुक्त दल द्वारा शनिवार को शहर के विभिन्न मिष्ठान्न विनिर्माण केंद्रों का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान मिठाइयों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा विभिन्न मिष्ठान्नों के कुल 06 नमूने लिए गए।संयुक्त दल द्वारा डमरू वाला स्वीट कारखाने से छेना रसगुल्ला एवं बादाम बर्फी के नमूने लिए गए। इसी प्रकार राजस्थान मिष्ठान्न, इंदिरा चौक के साकेत नगर स्थित कारखाने से डोडा बर्फी एवं बंगाली मिठाई तथा न्यू राजस्थान मिष्ठान्न, चक्कर रोड से चिरौंजी मावा बर्फी एवं मावा केसर कतली के नमूने लिए गए। सभी 06 नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान संयुक्त दल द्वारा संबंधित मिष्ठान्न विनिर्माण प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं भंडारण के दौरान आवश्यक स्वच्छता मानकों का पालन करने तथा परिसर में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रिश्तों के धागों में पिरोया प्रकृति का प्रेम

बचपन प्ले स्कूल में माता-पिता और बच्चों ने मिलकर गूंथी वात्सल्य की डोर

इटारसी (निप्र)। रक्षाबंधन केवल एक रेशम का धागा नहीं है यह विश्वास सुरक्षा और निश्छल स्नेह का वह पवित्र बंधन है जो दिलों को जोड़ता है।

और जब इसी धागे को गूंथने में माता.पिता का वात्सल्य बच्चों की मासूम रचनात्मकता और प्रकृति के प्रति समर्पण एक साथ मिल जाएं तो यह महज एक त्योहार न रहकर जीवन का एक अनमोल दर्शन बन जाता है। कुछ ऐसा ही मनमोहक और आत्मीय दृश्य शनिवार को इटारसी के बचपन प्ले स्कूल्य में देखने को मिला।स्कूल के डायरेक्टर दीपक दुगाया के मार्गदर्शन और प्रिंसिपल मंजू ठाकुर के नेतृत्व में शनिवार को एक अनूठी इको.फ्रेन्डली राखी और थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

माताओं की ममता के साथ पिताओं ने भी दिखाई रचनात्मकता

अमूमन ऐसे आयोजनों में माताओं की ही भागीदारी अधिक देखी जाती हैए लेकिन इस बार पिताओं ने भी बच्चों के साथ मिलकर अपनी कलात्मकता का परिचय दिया। मदर.चाइल्ड स्पेशल इको-फ्रेन्डली राखी थाली सजाओ प्रतियोगिता में 30 माताओं ने अपने बच्चों के साथ मिलकर बड़े ही जतन से थालियां सजाईं। फादर-चाइल्ड स्पेशल इको.फ्रेन्डली राखी मेकिंग में 8 पिताओं ने हिस्सा लिया और बच्चों के साथ मिलकर प्राकृतिक सामग्रियों से बेहद खूबसूरत राखियां तैयार कीं। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण का संदेश देते हुए प्लास्टिक का उपयोग न कर मौलीए जूट कागज अनाज और प्राकृतिक चीजों का बेहतरीन इस्तेमाल किया।

प्रतिभा का सम्मान और विजेताओं की सूची

इस रचनात्मक आयोजन में निर्णायक की अहम और कठिन भूमिका अंशु अग्रवाल और प्रलभ अग्रवाल ने निभाई। स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों और अभिभावकों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को उपहार प्रदान किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

इको-फ्रेन्डली राखी थाली डेकोरेशन ;मदर मीना साहू प्रथम गुरप्रीत कौर सलूजा द्वितीय श्रद्धा गौर तृतीय इको.फ्रेन्डली राखी मेकिंग ;फादर मनोज साहू प्रथम जितेन्द्र गौर द्वितीय निपुण सिंघल तृतीय रहे।

सावन मास में क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना मातृशक्ति द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। सावन मास के पावन अवसर पर क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना की मातृशक्ति द्वारा स्थानीय नेहरू पार्क में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षत्रिय मराठा नव निर्माण सेना की सदस्य उज्ज्वला चव्हाण ने बताया कि कार्यक्रम में मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर सौभाग्य एवं सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं दीं। महिलाओं ने सावन मास की परंपराओं एवं संस्कृति को जीवंत रखते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर पूर्वी शिर्के,कल्पना वाइसकर, प्रीति आगौन,उज्ज्वला चव्हाण,विद्या चव्हाण,शिवांगी चव्हाण,सुनीता,अंजली काले,अंजली,क्षमा,पूजा आदि मातृशक्ति उपस्थिति रही।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com